राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 14 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-318 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दावा: ईरान में अब तक 12 हजार लोगों की हत्या

■ जर्मनी बोला: ईरान में सरकार का खेल खत्म

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। ईरान में 12 हजार प्रदर्शनकारियों की हत्या का दावा किया जा रहा है। ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली ब्रिटिश वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है ये हत्याएं पिछले 17 दिनों में हुई हैं। वेबसाइट ने इसे ईरान के आधुनिक इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा हत्याकांड बताया है। अभी तक ज्यादातर रिपोर्टों में मरने वालों की संख्या 600 के आस-पास बताई जा रही थी। वेबसाइट का कहना है कि यह जानकारी कई सोर्सज पर आधारित है। इस डेटा की कई लेवल पर जांच की गई और सख्त प्रोफेशनल स्टैंडर्ड के मुताबिक पुष्टि के बाद ही इसे जारी किया गया। ज्यादातर मारे गए लोग 30 साल से कम उम्र के थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ज्यादातर हत्याएं 'रिवोल्यूशनरी गार्ड्स' और 'बसीज फोर्स' ने गोली मारकर की है और ये सब सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के आदेश पर हुआ। दावा किया गया है कि अधिकतर हत्याएं 8 और 9 जनवरी की रात को हुईं। सरकार इंटरनेट और कम्युनिकेशन को ठप कर अपने अपराध दुनिया से छुपा रही है। वहीं भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर फेडरिक मर्ज ने मंगलवार को कहा कि ईरान में सरकार का खेल खत्म हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

हर्षा रिछारिया धर्म की राह छोड़ेंगी

■ बोलीं: लड़की के चरित्र पर सवाल उठाना आसान

एजेंसी

प्रयागराज। महाकुंभ से चर्चा में आईं हर्षा रिछारिया ने अब धर्म की राह छोड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'महाकुंभ 2025 से शुरू हुई कहानी अब खत्म हो रही है। इस एक साल में मैंने बहुत सारे विरोध का सामना किया है। अब मौनी अमावस्या के बाद धर्म के रास्ते को छोड़ूंगी और अपने पुराने प्रोफेशन में जाऊंगी। किसी लड़की के चरित्र पर सवाल उठना आसान नहीं है, लेकिन मैं सीता नहीं हूं कि जो अग्नि परीक्षा दूं।' हर्षा रिछारिया अभी प्रयागराज माघ मेले में हैं। इस बार वह अपने भाई दीपक के साथ पहुंची हैं। हर्षा ने कहा- जय श्रीराम। एक साल में मैंने बहुत ज्यादा विरोध का सामना किया। यह विरोध प्रयागराज से शुरू हुआ। मुझे लगा था कि महाकुंभ होने के बाद यह सब खत्म हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने धर्म के रास्ते पर चलने की कोशिश की। मैंने कोई गलत काम नहीं किया। न चोरी की, न कोई अनैतिक कार्य किया, न किसी के साथ अन्याय किया।

ब्लिंकिट ने हटाया '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा

हड़ताल और सरकार के दखल के बाद फैसला, जेप्टो, स्विगी-जोमैटो भी टाइम लिमिट हटाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्लिंकिट जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियों ने अब '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटा दिया है। यह बदलाव डिलीवरी बॉयज की हड़ताल और सरकार के दखल के बाद आया है। सरकार के साथ हुई बैठक में ब्लिंकिट के अलावा स्विगी, जोमैटो और जेप्टो ने भी भरोसा दिया है कि वे अब ग्राहकों से समय सीमा का वादा करने वाले विज्ञापन नहीं करेंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में इन कंपनियों के टॉप अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। इसमें तीन महत्वपूर्ण फैसले लिए गए- श्रम मंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि कंपनियों का बिजनेस मॉडल वर्कर्स की जान जोखिम में डालकर नहीं चलना चाहिए। 10 मिनट जैसी समय सीमा न केवल राइडर्स के लिए खतरनाक है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी जोखिम पैदा करती है। सरकार अब गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्य स्थितियों पर एक व्यापक पॉलिसी बनाने की तैयारी में है। ये कंपनियां अब अपनी मार्केटिंग स्ट्रैटजी में बदलाव करेंगी। अब तक '10 मिनट' इन कंपनियों का सबसे बड़ा यूएसपी हुआ करता था। हालांकि, कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि वे अपनी ऑपरेशनल एफिशिएंसी (कार्यक्षमता) को कम नहीं करेंगी, लेकिन विज्ञापनों के जरिए ग्राहकों में ऐसी उम्मीद नहीं जगाएंगी जिससे राइडर्स पर दबाव बने। पिछले कुछ

समय से सोशल मीडिया और कई मंचों पर 10-15 मिनट की डिलीवरी सर्विस की आलोचना हो रही थी। विशेषज्ञों का मानना था कि इतने कम समय में डिलीवरी का दबाव राइडर्स को तेज गाड़ी चलाने और रेड लाइट जंप करने के लिए मजबूर करता है। सड़क सुरक्षा से जुड़े संगठनों ने भी सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। पंजाब से राज्यसभा सांसद और आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता राघव चड्ढा ने पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 'सत्यमेव जयते। साथ मिलकर, हम जीत गए। क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से '10-मिनट डिलीवरी' वाली ब्रांडिंग हटाने के लिए मैं केंद्र सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। सरकार ने बिल्कुल सही समय पर एक बड़ा और संवेदनशीलता भरा फैसला लिया है। यह कदम उठाना बहुत जरूरी था, क्योंकि जब डिलीवरी राइडर की टी-शर्ट, जैकेट या बैग पर '10 मिनट' लिखा होता है और ग्राहक की स्क्रीन पर टाइमर चलता है, तो राइडर पर बहुत दबाव रहता है। यह दबाव न सिर्फ असली है, बल्कि हर पल बना रहता है और खतरनाक भी है। सरकार के इस फैसले से डिलीवरी राइडर्स के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले बाकी लोगों की सुरक्षा भी तय हो पाएगी। पिछले कुछ महीनों में मैंने सैकड़ों डिलीवरी पार्टनर्स से बात की है। इनमें से कई अपनी क्षमता से ज्यादा काम कर रहे हैं, उन्हें पैसे भी कम मिलते हैं और एक नामुमकिन वादे को पूरा करने के चक्कर में वे अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

'सनातन धर्म को मिटाना आसान नहीं, ये सूरज और चांद की तरह अमर'

सोमनाथ मंदिर को लेकर बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति, लोगों की आस्था को खत्म करना आसान नहीं है। अमित शाह ने सोमनाथ मंदिर के बीती सदियों में बार-बार तोड़े जाने और 16 बार पुनर्निर्माण का हवाला दिया। शाह ने कहा कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए, वो मिट गए, लेकिन मंदिर आज भी उसी जगह पर पूरे गर्व के साथ खड़ा है। अमित शाह गुजरात दौरे पर हैं। मंगलवार को अमित शाह ने गांधीनगर में 267 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। शाह ने कहा,

'16 बार तबाह किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर 1000 साल बाद भी पूरे गर्व और सम्मान के साथ खड़ा है और इसके शीर्ष पर धर्मध्वजा लहरा रही है।' गृह मंत्री ने कहा, 'ये पूरी दुनिया के लिए संदेश है कि भारत के सनातन धर्म, संस्कृति और लोगों की आस्था को मिटाना आसान नहीं है। यह चांद और सूरज की तरह शाश्वत और अमर है। सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था, विश्वास और गर्व का प्रतीक है।' बीती 11 जनवरी को पीएम मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ किया था। यह पर्व सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनी के हमले और मंदिर के पुनर्निर्माण के 1000 हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। महमूद गजनी ने साल 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सोमनाथ मंदिर के भव्य कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पूरे सालभर देश में मनाया जाएगा। इस दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। शाह ने कहा, 'एक हजार साल पहले महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और इसे तोड़ा। उसके बाद अन्य हमलावरों जैसे अलाउद्दीन खिलजी, अहमद शाह, महमूद बेगड़ा और औरंगजेब ने भी हमले किए, लेकिन हर हमले के बाद मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। हमलावर तबाही में विश्वास रखते थे और मंदिर बनाने वालों का विश्वास रचना में। आज 1000 साल बाद हमलावर मिट गए हैं, लेकिन सोमनाथ मंदिर अभी भी पूरे गर्व के साथ खड़ा है।' गृह मंत्री ने कहा, 'सोमनाथ मंदिर पर हमला सिर्फ एक मंदिर पर हमला नहीं था बल्कि ये हमारी आस्था, विश्वास और आत्म सम्मान पर हमला था। हमले का जवाब दूसरा हमला नहीं हो सकता। इसका उत्तर आत्म-सम्मान में छिपा है।'

आर्मी चीफ बोले: पाकिस्तान बॉर्डर पर 8 आतंकी कैंप एक्टिव

■ किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार है। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा। जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। रविवार को बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने के सवाल पर आर्मी चीफ बोले- वे बहुत छोटे ड्रोन हैं। ये लाइट जलाकर उड़ते हैं। बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं उड़ते और बहुत कम ही दिखाई दिए हैं। 10 जनवरी को लगभग 6 ड्रोन देखे गए, जबकि 11 और 12 जनवरी को 2 से 3 ड्रोन दिखाई दिए। हाल में देखे गए ड्रोन रक्षात्मक ड्रोन थे, जो यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि कोई कार्रवाई तो नहीं हो रही है। वे जांचना चाहते हैं कि भारतीय सेना कहीं कोई कमी या ढिलाई तो नहीं कर रही, जिससे वे आतंकियों को भेज सकें। इंटरनेशनल बॉर्डर (IB) और नियंत्रण रेखा (LoC) के सामने 8 आतंकी कैंप हैं, जिसमें ट्रेनिंग जैसी गतिविधि चल रही है। सेना नजर बनाए हुए है, एक भी गलती पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। 7 मई को 22 मिनट की शुरूआती कार्रवाई और 10 मई तक 88 घंटे तक चले समन्वित अभियान ने रणनीतिक समीकरणों को बदल दिया। इस दौरान आतंकी ढांचे पर अटैक किए गए। 9 में से 7 लक्ष्यों को नष्ट किया गया। पाकिस्तान की पुरानी परमाणु धमकी की रणनीति को कमजोर किया गया। 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें ज्यादातर पाकिस्तानी थे।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

■ 28 साल के ऑटो ड्राइवर को घर लौटते वक्त मारा चाकू

एजेंसी

फेनी। बांग्लादेश के दक्षिणी हिस्से चटगांव डिवीजन के फेनी जिला स्थित दागनभुइयां में रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने 28 साल के हिंदू युवक समीर कुमार दास की पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी। उसका ऑटोरिक्शा भी लूट लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, समीर रविवार शाम करीब 7 बजे ऑटोरिक्शा लेकर घर से निकला था। देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब 2 बजे जगतपुर गांव के एक खेत में स्थानीय लोगों को उसका शव मिला। दागनभुइयां थाने के एक

पुलिस अधिकारी के अनुसार, समीर की हत्या में देसी हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। प्राथमिक जांच में लग रहा है कि हत्या पहले से प्लानिंग के तहत की गई थी। जांच जारी है और अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बांग्लादेश में 23 दिनों के दौरान हिंदू की हत्या की ये 7वीं घटना है। इससे पहले 5 जनवरी को बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई थी। मृतक 40 साल का शरत चक्रवर्ती मणि था। दूसरी ओर, बांग्लादेश की एक जेल में बंद हिंदू गायक और सांस्कृतिक कार्यकर्ता प्रोलॉय चाकी की इलाज के अभाव में मौत हो गई। उन्हें 11 जनवरी की रात करीब 9 बजे दिल के दौरा आया था। उन्हें राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रोलॉय प्रसिद्ध सांस्कृतिक आयोजक और अभिनेता, दिवंगत लक्ष्मी दास चाकी के बेटे थे। प्रोलॉय प्रतिबंधित आवामी लीग के जिला सांस्कृतिक सचिव थे। बांग्लादेश के नाओगांव जिले में 6 जनवरी को नहर में कूदने से 25 साल के हिंदू युवक की मौत हो गई थी।

करूर भगदड़ केस: एक्टर विजय सीबीआई हेडकॉर्टर पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। एक्टर-पॉलिटिशन विजय थलापति सोमवार को करूर भगदड़ मामले की जांच के सिलसिले में उइक के सामने पेश हुए। वे सुबह 11.29 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच काली रेंज रोवर से उइक हेडकॉर्टर पहुंचे। विजय को एजेंसी की एंटी-करप्शन यूनिट की जांच टीम के सामने ले जाया गया। दरअसल, पिछले साल 27 सितंबर को करूर जिले के विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (TVK) की रैली के दौरान हुई थी। इस घटना में 41 लोगों की मौत हुई थी और 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। विजय चेन्नई से चार्टर्ड फ्लाइट

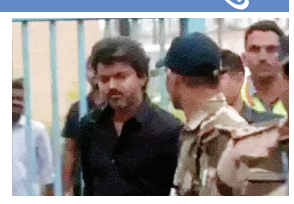

से सुबह 7 बजे नई दिल्ली पहुंचे। । उनके साथ TVK के सहयोगी आधारव अर्जुन भी मौजूद थे। CBI हेडकॉर्टर में पिछले साढ़े तीन घंटे से पूछताछ जारी है। CBI करूर कार्यक्रम में 7 घंटे की देरी को लेकर पूछताछ कर रही है। एजेंसी जानना चाहती है कि तय समय और विजय के मौके पर पहुंचने के समय में इतना अंतर क्यों हुआ और क्या इसी वजह से भीड़ बेकाबू हुई।

सुप्रीम कोर्ट बोला: कुत्ते के काटने पर भारी मुआवजा तय होगा

जो आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित, वे अपने घर ले जाएं, उन्हें ऐसे नहीं छोड़ सकते

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा, 'बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया।' कोर्ट ने कहा, 'आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते। ये कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमते रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते।' जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा, 'कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। अब तक चार दिन की सुनवाई में इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही है। जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या हम इसपर आंखें मूंद लें।' इस मामले में अब अगली सुनवाई 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से होगी। जस्टिस संदीप मेहता ने महिला वकील की दलील पर कहा- क्या आप सच में ऐसा कह रही हैं? एक वकील ने अभी-अभी

हमें सड़कों पर रहने वाले अनाथ बच्चों के आंकड़े दिखाए। शायद कुछ वकील उन बच्चों को गोद लेने की पैरवी कर सकते हैं। जस्टिस मेहता ने कहा- 2011 में प्रमोशन के बाद से मैंने इतनी लंबी बहसें कभी नहीं सुनीं। और अब तक किसी ने भी इंसानों के लिए इतनी लंबी बहस नहीं की है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने आज की सुनवाई खत्म कर दी। अब 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से अगली सुनवाई होगी। एक अन्य महिला वकील ने अपनी दलीलें पेश करते हुए कहा- जब रेलवे स्टेशन पर एक छोटी बच्ची के बगल में कोई आवारा कुत्ता सो रहा होता है, तो उसके साथ रेप नहीं होगा। एक महिला होने के नाते, मुझे दिल्ली में उन कुत्तों के साथ चलने में सुरक्षित महसूस होता है। अगर मुझ पर कोई हमला करेगा, तो वे भौंकेंगे। वकील ने आगे कहा- जब किसी शेल्टर होम में कोई कुत्ता बीमार पड़ जाता है, तो उनमें से जो वायरस पैदा होते हैं, उनपर दवाओं का असर नहीं होगा। मुझे बुरा लगता है जब फ्हअ कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाने के लिए और अधिक फंड की मांग करते हैं। सबसे पहले बच्चों को सड़कों से हटाना होगा, कुत्तों को नहीं। बच्चों को शेल्टर होम की ज्यादा जरूरत है। वकील ने कहा- मैं एक 80 साल की महिला का प्रतिनिधित्व कर रही हूं जो सड़क पर रहती है। वह 200 कुत्तों की देखभाल करती है। दिल्ली में उन्हें 'डॉग अम्मा' के नाम से जाना जाता है। कुत्तों गोद लेने की पॉलिसी पर विचार किया जाना चाहिए। एक राष्ट्रीय अभियान शुरू किया जा सकता है। यहां कई वकील हैं जिनके घर में 8-10 देसी कुत्ते हैं। जस्टिस मेहता ने कहा- अगर कोई आवारा कुत्ता किसी पर हमला कर दे तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? इस पर वकील ने कहा- स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए जिम्मेदारी तय की जा सकती है। जस्टिस मेहता ने कहा- आवारा कुत्ता किसी के कब्जे में नहीं होना चाहिए। अगर आप पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें। एडवोकेट गुरुस्वामी ने कहा- कुत्तों को मारना और नसबंदी करना दोनों ही कारगर नहीं हैं।

मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के लिए छतें किराए पर

अहमदाबाद में छतों का किराया 20 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक; पतंगें, खाना-पीना साथ में

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात में मकर संक्रांति का मतलब है पतंगबाजी। राज्य में पतंगबाजी की तैयारियां एक-दो महीने पहले से ही शुरू हो जाती हैं। इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में 'टेरेस टूरिज्म' का चलन भी शुरू हो गया है। इस साल भी अहमदाबाद के पोल, खाडिया और रायपुर इलाकों में सभी ऊंची छतें बुक हो चुकी हैं। छतों का किराया 20 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक जा पहुंचा है। ओल्ड अहमदाबाद में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग अब विदेशों में बस गए हैं। इसलिए ये पतंगबाजी के साथ अपनी पुरानी यादें ताजा करने हर साल यहां आते हैं। दरअसल, रायपुर इलाके में शहर का सबसे बड़ा पतंग मार्केट भी है। इसके चलते यहां की पतंगबाजी भी पूरे अहमदाबाद में फेमस है। इसी मौके पर दिव्य भास्कर ने अहमदाबाद के इन इलाके में स्थानीय लोगों से बात की। छतों के साथ गुजराती व्यंजनों का लुत्फ भी इस मौके पर हमने पोल इलाके में रहने वाले अजय मोदी से बात की। उन्होंने बताया कि इस साल उनके यहां पंजाब से एक फैमिली आ रही हैं। वहीं, कई एनआरआई ने भी इलाके में छतें किराए पर ले चुके हैं। इस साल

किराया 15 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक पहुंच गया है। हम मेहमानों को पतंगों के साथ-साथ खाने-पीने का सामान भी उपलब्ध कराते हैं। इसमें उंधियू-पूरी, जलेबी, भजिया और तिल की चिक्की जैसे व्यंजन शामिल होते हैं। इसके अलावा मिनरल वाटर, बैठने के लिए छतों पर सोफे-कुर्सियां और बुजुर्गों-बच्चों के आराम के लिए दो कमरे भी दिए जाते हैं। अजय भाई ने आगे बताया कि इस तरह के टेरेस टूरिज्म से न केवल मकान मालिकों को फायदा होता है, बल्कि आसपास के छोटे व्यापारियों को भी फायदा होता है। नाश्ते के स्टॉल, पतंग की डोर बेचने वाले और घरेलू उद्योग चलाने वाली महिलाएं (जो बाजरे के बड़े या अन्य स्नैक्स बनाती हैं) भी इन दो दिनों के दौरान 2,000 रुपए से 5,000 रुपए तक आसानी से कमा लेती हैं। पोल में रहने वाले और हर साल उत्तरायण पर छतें किराए पर देने वाले जिग्नेशभाई रामी ने बताया कि छतें किराए पर देने-लेने का चलन पिछले 4-5 सालों से शुरू हुआ है। अब तो यह अहमदाबाद में आम हो चुका है। जितनी ऊंछी छत, उसका उतना ही ज्यादा किराया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तिल-गुड़ की मिठास में बसा सूर्य पर्व है 'मकर संक्रांति'

मध्य भारत में इसे सामान्यतः संक्रांति कहा जाता है, जबकि दक्षिण भारत में यही पर्व 'पोंगल' के रूप में महापर्व का दर्जा रखता है। कहीं इसे उत्तरायण कहा जाता है तो कहीं पौष संक्रांति। असम में यह भोगाली बिहू या माघ बिहू कहलाता है, तो बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। भारत की सीमाओं से बाहर भी मकर संक्रांति का सांस्कृतिक विस्तार देखने को मिलता है। नेपाल में यह माघे संक्रांति या खिचड़ी संक्रांति के रूप में मनाई जाती है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(मकर संक्रांति (14 जनवरी) पर विशेष)

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का ऐसा प्राचीन पर्व है, जिसकी जड़ें केवल धार्मिक आस्था में ही नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि, खगोल विज्ञान और लोकजीवन की गहरी समझ में भी समाई हुई हैं। यह पर्व मूलतः सूर्य उपासना का उत्सव है, जिसे प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ भारत सहित अनेक देशों में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का महत्व इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि यह पर्व किसी पौराणिक कथा तक सीमित न होकर खगोलीय घटना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। इसी दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है और अपनी उत्तरायण यात्रा आरंभ करता है, जिसे अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और जड़ता से चेतना की ओर संक्रमण का प्रतीक माना गया है। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही है।

मकर संक्रांति केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का सजीव संकेत भी है। इसी दिन से वसंत ऋतु के आगमन की आहट मिलने लगती है। खरीफ की फसलें घरों तक पहुंच चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहाने लगती हैं। सरसों के पीले फूल खेतों में प्रकृति की मुस्कान बिखेरते हैं और किसान के श्रम का प्रतिफल उसकी आंखों के सामने साकार होने लगता है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को देशभर में फसलों के आगमन और कृषि समृद्धि के पर्व के रूप में भी देखा जाता है। यह उत्सव किसान के लिए आशा, संतोष और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक बन जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य देव अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह परिवर्तन केवल खगोलीय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से वर्षों पुरानी नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे, इसलिए यह पर्व पारिवारिक समरसता, क्षमा और संबंधों की पुनर्स्थापना का संदेश भी देता है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए इसी दिन तर्पण किया था, जिससे इस तिथि को पितृ तर्पण और पुण्यकर्म से भी जोड़ा गया।

खगोल विज्ञान की दृष्टि से मकर संक्रांति का महत्व अत्यंत वैज्ञानिक है। पृथ्वी की गोलाकार संरचना और उसके अक्ष पर झुके हुए भ्रमण के कारण दिन और रात की अवधि में परिवर्तन होता है। जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है, तब उत्तरी गोलार्द्ध में दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं और रातें छोटी होने लगती हैं। लोकभाषा में कहा जाता है कि मकर संक्रांति से दिन 'तिल-तिल' बढ़ता है। दिन की अवधि बढ़ने से खेतों में बोए गए बीजों को अधिक प्रकाश, ऊष्मा और ऊर्जा मिलती है, जिससे फसलों की वृद्धि बेहतर होती है। यही कारण है कि यह पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है और कृषि आधारित भारतीय समाज में इसका गहरा स्थान है। 'मकर' शब्द जहां मकर राशि की ओर संकेत करता है, वहीं 'संक्रांति' का शाब्दिक अर्थ है—संक्रमण या प्रवेश। सूर्य जब एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो उस खगोलीय घटना को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य वर्षभर में कुल बारह राशियों में क्रमशः प्रवेश करता है, परंतु मकर संक्रांति को सबसे महत्वपूर्ण इसलिए माना गया है क्योंकि यह उत्तरायण का प्रारंभ बिंदु है। भारतीय परंपरा में उत्तरायण काल को अत्यंत शुभ माना गया है। महाभारत में भी भीष्म पितामह ने उत्तरायण की प्रतीक्षा करते हुए देह त्याग किया था, जिससे इस काल की पुण्यता और अधिक स्थापित होती है।

मकर संक्रांति की एक विशिष्ट विशेषता यह भी है कि यह भारत का ऐसा पर्व है, जो लगभग पूरे देश में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, हालांकि इसके नाम, परंपराएं और स्वरूप क्षेत्र विशेष के अनुसार बदल जाते हैं। उत्तर भारत में यह पर्व कहीं लोहड़ी, कहीं खिचड़ी, कहीं माघी तो कहीं पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मध्य भारत में इसे सामान्यतः संक्रांति कहा जाता है, जबकि दक्षिण भारत में यही पर्व 'पोंगल' के रूप में महापर्व का दर्जा रखता है। कहीं इसे उत्तरायण कहा जाता है तो कहीं पौष संक्रांति। असम में यह भोगाली बिहू या माघ बिहू कहलाता है, तो बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। भारत की सीमाओं से बाहर भी मकर संक्रांति का सांस्कृतिक विस्तार देखने को मिलता है। नेपाल में यह माघे संक्रांति या खिचड़ी संक्रांति के रूप में मनाई जाती है। श्रीलंका में इसे पोंगल या उझवर तिरूनल कहा जाता है। बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कंबोडिया में मोहा संगक्रान और लाओस में पि मा लाओ के नाम से यह पर्व मनाया जाता है। यह तथ्य दर्शाता है कि सूर्य, ऋतु और कृषि से जुड़ा यह पर्व सीमाओं से परे मानव सभ्यता का साझा उत्सव है।

हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को अत्यंत पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन तीर्थ स्नान, दान, जप और श्राद्धकर्म को विशेष फलदायी कहा गया है। गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा जैसी पवित्र नदियों के तटों पर लाखों श्रद्धालु इस दिन स्नान के लिए एकत्र होते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति पर लगने वाला मेला इस पर्व की विराटता और आस्था की गहराई का जीवंत उदाहरण है। कहा जाता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से न केवल आध्यात्मिक शुद्धि होती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। मकर संक्रांति पर तिल का विशेष महत्व है। तिल को शुद्धता, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। इस दिन तिल-गुड़ से बने व्यंजनों का सेवन और दान करने की परंपरा लगभग पूरे देश में देखने को मिलती है। माना जाता है कि तिल और गुड़ शरीर को ऊष्मा प्रदान करते हैं और शीत ऋतु में स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। यही कारण है कि इस पर्व पर 'तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो' जैसी लोक कहावतें सामाजिक सौहार्द और आपसी संबंधों में मधुरता का संदेश देती हैं। मकर संक्रांति का एक लोकप्रिय स्वरूप पतंगोत्सव के रूप में भी सामने आता है। उत्तर भारत और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में इस दिन आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है। पतंग उड़ाना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। कड़ाके की ठंड के मौसम में खुले आकाश के नीचे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है। यह परंपरा अनजाने में ही सूर्य स्नान का रूप ले लेती है, जिससे त्वचा, हड्डियों और संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचता है। इस प्रकार मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन का उत्सव है। यह पर्व हमें सूर्य के महत्व, कृषि के मूल्य, सामाजिक सौहार्द और सकारात्मक जीवन दृष्टि का बोध कराता है। विविधताओं से भरे भारतीय समाज में मकर संक्रांति एक ऐसा सूत्र है, जो विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों को एक साझा भाव में बांध देता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता और स्थायी प्रासंगिकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा 36 वर्षों से साहित्य व पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

संपादकीय

जानलेवा सड़कें

देश में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार और समाज के स्तर पर चिंताएं तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिये कारगर उपाय सिरे चढ़ते नजर नहीं आते। इस बारे में बार-बार वायदे किए जाते हैं, वहीं सुधार के लिये टुकड़ों-टुकड़ों में हस्तक्षेप किया जाता है। फलतः परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। यह आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल 1.6 लाख से अधिक मौतें सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। विडंबना देखिए कि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के मुकाबले सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा लोगों की जान ले लेती हैं। हाल ही में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के लिये किए गए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। संस्था द्वारा वर्ष 2023 व 2024 में 100 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे तक समय सड़क हादसों के लिये सबसे घातक होता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिये 18 सड़क गलियारों की पहचान की गई है, जिनमें सर्वेक्षण अवधि में सबसे अधिक मौते हुई थीं। इसके साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील सौ जिलों में ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य पहल है। यह जानते हुए कि दुर्घटना रोकने के लिये सामान्य सलाह और एक समान नीतियां लक्ष्य हासिल करने में विफल रही हैं। यकीनी तौर पर दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप बदलाव लाने के लिये बेहतर दृष्टिकोण साबित हो सकता है। बहुत संभव है कि एक खराब ढंग से डिजाइन किया गया मोड़, सड़क पर पर्याप्त रोशनी का न होना, प्रवर्तन में शिथिलता तथा ड्राइविंग में लापरवाही की आदतें, किसी क्षेत्र या जिला विशेष में सड़क दुर्घटनाओं की वजह हो सकती है। निश्चित तौर पर उच्च मृत्यु दर वाले गलियारों का मानचित्रण अधिकारियों को, उन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल तैनात करने में सहायक हो सकता है। निस्संदेह, साक्ष्य और अतीत के अनुभव बताते हैं कि लक्षित प्रवर्तन बेहतर परिणाम दे सकता है। बंगलुरू का अनुभव बताता है कि लक्षित प्रयासों से वहां लगातार दूसरे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के बावजूद मृत्यु दर में कमी आई है। जो इन प्रयासों की सार्थकता को दर्शाता है। निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा। इसमें दो राय नहीं कि केंद्र सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब वह पहचान और प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर काम करे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी पिछली कोशिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल न होने से विफल रही हैं। इन सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिये निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने, कार्यान्वयन एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही परिणामों का नियमित ऑडिट करना आवश्यक है। इस बाबत सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों को कार्रवाई करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिए। वैसे सिर्फ राजमार्गों पर ही ध्यान केंद्रित करने के भी कई खतरे हैं। यह जानते हुए कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का मुश्किल से 2 से तीन प्रतिशत हिस्सा ही है। लेकिन ट्रैफिक की गति की तीव्रता के चलते इन पर होने वाली मौतों की संख्या कहीं ज्यादा है।

मकर संक्रान्ति पर्व

(लेखक- श्रीमती शारदा नरेन्द्र मेहता)

जनवरी (पौष माह) में जब सूर्य का प्रवेश मकर राशि में होता है और सूर्य की गति दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर होती है तब यह पर्व मनाया जाता है। यह हिन्दू संस्कृति का प्रमुख त्यौहार है। जनवरी माह के 13 या 14 दिनांक को यह पर्व मनाया जाता है। विद्वानों का मत है कि कभी-कभी यह 12 या 15 जनवरी के दिन भी मनाई जाती है।

राजा भगीरथ ने अपने पूर्वज राजा सगर के सौ पुत्रों के लिये इसी दिन तर्पण किया था। तर्पण के पश्चात् पतित पावनी भगीरथी (गंगा) कपिल मुनि के आश्रम से होते हुए समुद्र में जा मिली थी। संक्रान्ति के दिन गंगा सागर में मेला लगता है। लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष यहाँ स्नान दान के लिये आते हैं। इसका बड़ा महत्व है।

भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि से मिलने जाते हैं। शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं। अतः यह दिन मकर संक्रान्ति के नाम से प्रसिद्ध है। इसी दिन भगवान विष्णु ने देवासुर संग्राम के अन्त में युद्ध की समाप्ति पर असुरों के सिरों को मंदार पर्वत के नीचे दबा दिया था। इसलिये यह पर्व बुराइयों तथा नकारात्मकता को समाप्त करने के लिये मनाया जाता है। भीष्मपितामह ने भी सूर्य के उत्तरायण में प्रवेश करने के बाद ही अपनी देह का त्याग किया था।

भारतीय पंचाग में चन्द्रमा की गति से तिथि निर्धारण होता है किन्तु मकर संक्रान्ति का पर्व सूर्य की गति को आधार मान कर मनाया जाता है। यह आद्य शक्ति और सूर्य की आराधना का पर्व है। इस दिन पवित्र नदियों में संगम स्नान का विशेष महत्व है। संक्रान्ति के दिन भारत की पवित्र नदियों तथा संगम स्थानों पर लाखों लोग स्नान करते हैं और तिल, खिचड़ी व दक्षिणा-दान देकर पुण्यार्जन करते हैं। तुलसीकृत महाकाव्य 'रामचरितमानस' में महाकवि लिखते हैं-

माघ मकर गत रवि होई, तीरथ पति आव सब कोई।
देव दनुज किंनर नर श्रेणी, सादर मज्जहि सकल त्रिवेणी।।
(बालकाण्ड)

इस दिन तिल के तेल से मालिश किया जाता है। तिल को महीन पीस कर पानी में डालकर स्नान किया जाता है। तिल के उबटन का भी विशेष महत्व है। स्नान के पश्चात् चावल, मूँग की दाल की कच्ची खिचड़ी में तिल का लड्डू रख कर भगवान को चढ़ाया जाता है। दक्षिणा भी रखी जाती है। गरीबों को भी इसका दान देने का महत्व है।

राजस्थान, मालवा नेमाड़ आदि क्षेत्रों में सुहागिन महिलाएँ अपने घर की वृद्ध सुहागिन महिलाओं को वायना देती है, जिसमें सुहाग-सामग्री रखी जाती है। विभिन्न धातुओं से बनी चैदह वस्तुओं का पूजन कर संकल्प किया जाता है। उनमें तिल-गुड़ के लड्डू तथा दक्षिणा रखी जाती है। ये वस्तुएँ सुहागिन महिलाओं को सादर कंकू-अक्षत-हल्दी लगाकर दी जाती है। इस दिन जोड़े को भोजन कराने का भी महत्व है। सर्व प्रथम घर की बहिन-बेटियों को ही निमंत्रित किया जाता है।

विभिन्न प्रान्तों में अलग-अलग नामों से यह त्योहार मनाया जाता है। तमिलनाडु में पोंगल, कर्नाटक, केरल तथा आन्ध्र में संक्रान्ति, हरियाणा, पंजाब में लोहड़ी। लोहड़ी पर्व में नववधू और नवजात शिशु का विशेष महत्व होता है। रात्रि के समय अग्निदेव का पूजन कर तिल, गुड़, धानी, चांवल, मक्का आदि की आहूति दी जाती है। बिहार में इसे 'खिचड़ी' त्योहार कहा जाता है। यहाँ भी स्नान दान का महत्व है। महाराष्ट्र में भी स्नान, दान का महत्व है। तिल गुड़ का दान दिया जाता है। तिल गुड़ देते समय कहा जाता है-'तिळ गुड़ ध्या आणि गोड़ गोड़ बोला' अर्थात् तिलगुड़ लो और मीठे-मीठे बोलो। तिल का विशेष कांटेदार हलवा, तिल, लौंग, इलायची आदि से बनाया जाता है। बंगाल में भी इस दिन दान देने की परम्परा है। नेपाल भी एक हिन्दू राष्ट्र है, यहाँ भी स्नान दान की परम्परा है। इस पर्व को उत्तरायणी भी कहा जाता है।

आधुनिक समाज में समयाभाव तथा घरों की दूरियों से इसमें परिवर्तन आ गया है। फिर भी कई घरों में इस दिन हरे चने, मटर, गाजर, आलू, तिल आदि डालकर खिचड़ी बनाई जाती है, जो पुलाव के रूप में बच्चे और बड़े चाव से खाते हैं। कहीं-कहीं चीले बनाने की भी परम्परा है। गाय तथा अन्य पशुओं को घास तथा हरे चने (छोड़) खिलाने का भी महत्व है।

धार्मिक महत्व के साथ ही यहाँ पर्व मनोरंजन के लिये भी प्रसिद्ध है। बाल, वृद्ध पुरुष तथा महिलायें पतंगबाजी का आनन्द लेते हैं। भारत के कई प्रान्तों में तो पतंग उत्सव बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। गुजरात की पतंगबाजी प्रसिद्ध है। गिल्ली डंडा भी इस दिन खेला जाता है। आज यह खेल विलुप्तप्रायः है।

सूर्य का दक्षिणायन से उत्तरायण में प्रवेश एक भौगोलिक आधार भी है। इस दिन से रात छोटी व दिन बड़े होने लगते हैं। ऋतु परिवर्तन भी इसी के साथ होता है। हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध कवि सेनापति कहते हैं-

शिशिर में शशि को स्वरूप पावे सविताउ (सूर्य)
धामहि में चांदनी की द्युति दमकति है।

यह पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी है। इसे हमें अनवरत बनाए रखना है। हमारा यह कर्श्रव्य है कि हम इस सांस्कृतिक परम्परा को बनाये रखें और अपने सामर्थ्य और शक्ति के अनुसार इसका पालन करते हुए नई पीढ़ी को भी इसके महत्व को समझाकर उनमें अपनी भारतीय परम्परा के प्रति श्रद्धा भाव जागृत करें। मैं समझती हूँ कि हमारे समाज की महिलाएँ इस परम्परा के निर्वहन में पीछे नहीं है और वे नई पीढ़ी के लिये भी प्रेरणा स्रोत बनती रहेंगी, इसी आशा के साथ मैं अपने इस लेख को विराम देती हूँ।

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की र्भत्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। 'मै हं' ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। 'मै हं' का भाव ही अहंकार है लेकिन जब ' मै हं' भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा। जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए।

जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बूढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।

विचार मंथन

बिना ईडी के किसी राज्य में चुनाव संभव नहीं?

(लेखक- सनत जैन)

कुछ ही महीनो में पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पिछले 4 वर्ष में जहां-जहां विधानसभा, लोकसभा और अन्य महत्वपूर्ण चुनाव होते हैं, वहां पर केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय के अधिकारी (ईडी) ठीक उसी तरह से पहुंच जाती है जिस तरह से चुनाव आयोग वहां पर चुनाव कराने के लिए पहुंचता है। महाराष्ट्र, दिल्ली, झारखंड, छत्तीसगढ़ के जब चुनाव हुए थे, तब ईडी की कार्यवाही को सबने देखा है। लोकसभा के जब चुनाव हो रहे थे उस समय भी ईडी देश भर में सक्रिय हो गई थी। अब असम, केरल, पांडुचेरी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु इत्यादि राज्यों में चुनाव होना है। वहां पर भी ईडी बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गई है। चुनाव के कुछ महीने पहले ही कई वर्षों पुराने मामले की जांच और छापे की कार्यवाही ईडी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं या उनसे जुड़े हुए लोगों के खिलाफ कर देते हैं। भाजपा इसका इस्तेमाल चुनाव के लिए करती है। ईडी की इस टाइमिंग को लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को विपक्षी दलों की शिकायतों को सुनने का ना तो समय है और ना ही वह सुनना चाहते हैं। केंद्र सरकार की शह पर ईडी सक्रिय होती है। इस तरह का आरोप विपक्षी नेता लगाते हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार कोई हस्तक्षेप करेगी, इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। पहले चुनाव आयोग जरूर निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सजग रहता था। सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में समान अवसर मिलें। इसको ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग समय-समय पर कार्यवाही करता था। पिछले 4 वर्षों में चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा। चुनाव आयोग के तीनो आयुक्त को विपक्षी दल गांधी जी के तीन बंदर बताने लगे हैं। जो भाजपा के खिलाफ शिकायत होने पर ना बुरा देखते हैं, ना बुरा सुनते हैं, ना बुरा कहते हैं। विपक्षी दल इसकी शिकायत कोर्ट में भी करते आ रहे हैं। हाल ही में ईडी के अधिकारी बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु, केरल और असम भी पहुंच गए हैं। सबसे बड़ी तीखी प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी ने दी है। पश्चिम बंगाल की टीएमसी पार्टी के आईटी सेल के आईपैड कंपनी पर ईडी के अधिकारियों ने छापा डाला। यह मामला 2020 में दर्ज किया गया था। दो चुनाव पहले हो चुके हैं। अब विधानसभा चुनाव के ठीक पहले ईडी के अधिकारी छापा मारने पहुंच गए। छापा स्थल पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंची। उन्होंने ईडी के अधिकारियों से पार्टी से संबंधित दस्तावेजों को छुड़ा लिया। ईडी के अधिकारियों के खिलाफ पश्चिम बंगाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। वहां से ईडी के अधिकारियों को भागना पड़ा। अब यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ईडी लेकर गई है।

इसी तरह से तमिलनाडु में शराब और रियल एस्टेट घोटाले को लेकर ईडी के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। इसी तरह केरल में गोल्ड तस्करी और सहकारी बैंक घोटाले के पुराने मामलों को खोलकर एलडीएफ के नेताओं और सरकार को घेरने की कोशिश ईडी के अधिकारी कर रहे हैं। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों का यह पैटर्न कोई नया नहीं है। इसके पहले भी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनाव के दौरान गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी तिहाड़ जेल की हवा खिलाई गई थी। महाराष्ट्र के चुनाव में शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को भी ईडी ने अपने शिकंजे में कसा था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जुड़े हुए लोगों के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई की थी। लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस के सभी खातों को बंद कर दिया गया था। पिछले 4 वर्षों में ईडी का कोई विरोध नहीं हो रहा था, जिसके कारण ईडी का दायरा बढ़ता चला गया। लोकसभा-विधानसभा चुनाव के बाद अब स्थानीय संस्थाओं के चुनाव में भी ईडी के अधिकारी चुनाव से पहले सक्रिय हो जाते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग इन मामलों में चुप्पी साधकर बैठा रहता है। विपक्षी राजनीतिक दल शिकायत करते हैं। चुनाव आयोग उस पर कोई कार्यवाही नहीं करता है। विपक्षी दल आरोप लगाते हैं, यह सब केंद्र सरकार के इशारे पर होता है। अब तो विपक्षी दल न्याय पालिका के खिलाफ भी खुलकर बोलने लगे हैं। विपक्षी दल जब न्यायपालिका में न्याय पाने के लिए जाते हैं, वहां से उन्हें न्याय तो नहीं मिलता है, हां तारीख पर तारीख जरूर मिलना शुरू हो जाती है। बिहार एसआईआर के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। बिहार में चुनाव भी हो गए, मामले की सुनवाई अभी भी सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। ऐसी स्थिति में लोगों का संवैधानिक संस्थाओं से भरोसा उठने लगा है।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बता दिया है, वह इस लड़ाई को अब सड़कों पर लड़ने के लिए तैयार हैं। इससे विपक्षी दलों का डर और भय अब खत्म होने लगा है। विभिन्न राज्यों में यह प्रतिरोध अब देखने को मिलने लगा है। ममता बनर्जी के बाद अब अन्य विपक्षी दल के नेता बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गए हैं। जिसके कारण आने वाले समय में चुनाव आयोग तथा ईडी के अधिकारियों की मुसीबतें बढ़ना तय है। ऐसा लोग अब कहने लगे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 98.24 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे कमजोर होकर 90.22 पर पहुंच गया। आज अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण भी रुपया नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें हल्की मजबूती जरूर देखने को मिली, लेकिन यह 90.22 के स्तर तक ही सीमित रही, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की गिरावट को दिखाता है। इससे पहले सोमवार को रुपया 90.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 98.73 पर बना रहा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों के चलते निकट भविष्य में रुपये में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

इंडिगो की न्यू ईयर सेल, घरेलू फ्लाइट 1,499 से शुरू

नई दिल्ली ।

इंडिगो ने मंगलवार को अपनी न्यू ईयर सेल की घोषणा की है। यह सेल 13 जनवरी से 16 जनवरी तक चलेगी। सेल के तहत घरेलू मार्गों पर सभी कर और शुल्क शामिल 1,499 रुपए से टिकट उपलब्ध होंगे। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर किराया 4,499 रुपए से शुरू होगा, जिससे यात्रियों को सस्ती फ्लाइट का लाभ मिलेगा। इंडिगो ने यह भी बताया कि चुनिंदा 6ई एडऑन पर 70 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसमें अतिरिक्त सेवाएं जैसे सीट चयन और अतिरिक्त बैगेज शामिल हो सकते हैं। यात्री इस सीमित अवधि में बुकिंग कर अपनी यात्रा को किफायती बना सकते हैं।

एचसीएल टेक्नॉलजीज का मुनाफा घटा, राजस्व में बढ़त जारी

नई दिल्ली ।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नॉलजीज का तीसरी` तिमाही का मुनाफा 4,076 करोड़ रुपए रहा, जो सालाना आधार पर 11.1 फीसदी कम है। कंपनी ने बताया कि नवंबर में लागू नई श्रम संहिता के तहत कर्मचारी लाभों के लिए 956 करोड़ रुपए अलग रखना पड़ा, जिससे मुनाफा प्रभावित हुआ। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 13.3 फीसदी बढ़कर 33,872 करोड़ रुपए हुआ। वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्रों से मदद मिली। स्थिर मुद्रा आधार पर राजस्व में 8.1 फीसदी की वृद्धि रही और तिमाही आधार पर 6 फीसदी का सुधार हुआ। राजस्व बाजार अनुमान से बेहतर रहा, जबकि मुनाफा उम्मीद से कम रहा। एचसीएल अब स्थिर मुद्रा में 4-4.5 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर रही है। सेवाओं से राजस्व में 4.75-5.25 फीसदी की बढ़त अनुमानित है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में 4 लाख करोड़ के पार-केंद्रीय मंत्री वैष्णव

देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 लाख करोड़ और निर्यात 3.3 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 लाख करोड़ रुपये और निर्यात करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये रहा। मंत्री ने कहा कि चार नए सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने के बाद 2026 में निर्यात में और वृद्धि होने की उम्मीद है। देश के इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में मोबाइल फोन का दबदबा है। 2024-25 में मोबाइल फोन का उत्पादन 5.5 लाख करोड़ रुपये और निर्यात लगभग 2 लाख करोड़ रुपये रहा। उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुसार, 2025-26 के अंत तक मोबाइल फोन का उत्पादन 75 अरब अमेरिकी डॉलर (6.76 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 30 अरब अमेरिकी डॉलर (2.7 लाख करोड़ रुपये) का निर्यात शामिल है। मंत्री ने बताया कि भारत से आईफोन का निर्यात 2025 में 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो 2024 में 1.1 लाख करोड़ रुपये था। काउंटरपॉइंट के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार एप्पल ने भारत में अपने विनिर्माण का विस्तार कर निर्यात को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाया है। भारत में उत्पादित हर चार स्मार्टफोन में से एक का निर्यात किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में लगभग 25 लाख लोग कार्यरत हैं। निर्यात और उत्पादन ने रोजगार सृजन के साथ-साथ विदेशी मुद्रा अर्जित करने में भी मदद की। एप्पल की प्रीमियम और सुपर-प्रीमियम श्रेणियों में अग्रणी स्थिति ने देश के स्मार्टफोन बाजार की वृद्धि को गति

दी है। 2026 में सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने से निर्यात और उत्पादन में और वृद्धि की उम्मीद है, जिससे भारत की वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक और मोबाइल बाजार में स्थिति और मजबूत होगी।

टीसीएस का मुनाफा घटा, राजस्व अनुमान से बेहतर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में आय के मोर्चे पर विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल-दर-साल आधार पर 13.9 फीसदी घटकर 10,657 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 12,380 करोड़ रुपये था।

सितंबर तिमाही के मुकाबले मुनाफे में 11.7 फीसदी की कमी आई है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में टीसीएस की कुल आय 4.8 फीसदी बढ़कर 67,087 करोड़ रुपये रही। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर आय में 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह आंकड़ा ब्लूमबर्ग के 66,849 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा, हालांकि मुनाफा अनुमानित 13,005 करोड़ रुपये से कम रहा। भौगोलिक स्तर पर उत्तर अमेरिका में आय 0.1 फीसदी और लैटिन अमेरिका में 4.6 फीसदी बढ़ी। यूरोप में 2.1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि ब्रिटेन में आय 1.9 फीसदी घटी। स्थिर मुद्रा आधार पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुल वृद्धि महज 0.5 फीसदी रही।

कार बाजार में काले रंग की हिस्सेदारी बढ़ी, सफेद रंग के कारों की घटी

2021 में सफेद वाहनों की हिस्सेदारी 43.9 थी, जो 2025 तक घटकर 40.7 फीसदी रह गई

नई दिल्ली ।

कार बाजार में काले रंग के कारों के प्रे ति लोगों का रुझान बढता जा रहा है वहीं सफेद रंग की कारों का रुझान युवाओं में घटता जा रहा है। एक वैश्विक ऑटोमोटिव डेटा, विश्लेषण और इंटेलिजेंस कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में सफेद वाहनों की हिस्सेदारी 43.9 फीसदी थी, जो 2025 तक घटकर 40.7 फीसदी रह गई। हालांकि, चमक और व्यावहारिक लाभों के कारण यह अभी भी खरीदारों में सबसे पसंदीदा रंग बना हुआ है। वहीं काले रंग की कारों की हिस्सेदारी 2021 में 14.8 फीसदी से बढ़कर 2025 में 20.76 फीसदी हो गई है। मारुति सुजूकी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि युवा पीढ़ी और जेन ज़ी में काले रंग की मांग वाहन उद्योग के औसत से अधिक रही। टाटा मोटर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि अब खरीदार व्यक्तिगत पसंद और जीवनशैली पर ध्यान दे रहे हैं। गहरे रंग आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और स्टेटस का प्रतीक बन गए हैं, जबकि सफेद रंग अपनी व्यावहारिकता और रीसेल वैल्यू की वजह से शीर्ष पर बना हुआ है। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2025 में 45.6 लाख रही, जो 5.06 फीसदी सालाना वृद्धि दर्शाती है। अधिकांश बढ़ोतरी जीएसटी दरों में कटौती के बाद अंतिम तिमाही में हुई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद सेंसेक्स 250 अंक , निफ्टी 57 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 250.48 अंक टूटकर 83,627.69 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.95 अंक फिसलकर 25,732.30 पर बंद हुआ। बाजार को हालांकि पीएसयू बैंकों ने सहारा दिया। निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी, निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी मेटल बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एलएंडटी, इंडिगो, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बीईएल, एक्सिस बैंक, भारतीय एयरटेल, एचयूएल, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील नुकसान में रहे। माना जा रहा है कि ईरान के साथ ट्रेड करने वाले देशों पर संभावित अमेरिकी टैरिफ को लेकर नई चिंताओं के कारण घरेलू बाजार में गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। हालांकि, शुरुआती बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। कुछ ही देर में मुनाफावसूली और नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते यह गिरावट में आ गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स195.79 अंक की गिरावट के साथ 83,682.38 अंक पर वहीं निफ्टी भी 25,897 के स्तर पर मजबूत शुरुआत करने के बाद फिसल गया। सुबह खुलने के बाद निफ्टी 60.40 अंक टूटकर 25,729.85 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। निवेशकों ने ईरान और वेनेजुएला में भू-राजनीतिक तनावों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के खिलाफ आपराधिक जांच को फिलहाल नजरअंदाज किया। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.32 फीसदी चढ़ा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.04 फीसदी ऊपर रहा। जापान का निक्केई 3.22 फीसदी उछल गया। वॉल स्ट्रीट पर भी मजबूती रही। एसएंडपी 500 और डाउ जोंस रातों-रात नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.16 फीसदी, डाउ जोंस में 0.17 फीसदी और नैस्डैक में 0.26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ी

वाहनों की बढ़ोतरी में विशेष योगदान यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग का रहा

नई दिल्ली ।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,99,216 इकाई रही, जो पिछले साल दिसंबर में दर्ज 3,14,934 इकाई की तुलना में 26.8 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। इस बढ़ोतरी में विशेष योगदान यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग का रहा।` सियाम ने कहा कि इस सेगमेंट में बिक्री में सुधार उद्योग की चौथी तिमाही की मजबूत गति का संकेत देता है। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री दिसंबर 2025 में 15,41,036 इकाई रही, जो पिछले साल 11,05,565 इकाई की तुलना में 39 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि है। वहीं तिपहिया वाहनों की बिक्री 61,924 इकाई दर्ज की गई, जो पिछले साल 52,733 इकाई से 17 फीसदी अधिक है।` सियाम ने बताया कि सभी वाहन खंडों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि ने उद्योग की वर्ष के अंत की स्थिति को सकारात्मक बना दिया है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना हैकि भू-राजनीतिक घटनाओं के बावजूद, वित्त वर्ष 2025-26 सकारात्मक वृद्धि के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। नीतिगत समर्थन और पिछले वर्षों के मजबूत प्रदर्शन की वजह से उद्योग के पास स्थिर वृद्धि बनाए रखने के पर्याप्त अवसर हैं।` सियाम ने यह भी उल्लेख किया कि चौथी तिमाही के

दौरान थोक और खुदरा बिक्री में स्थिर और मजबूत वृद्धि की संभावना बनी हुई है।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के चलते 15 जनवरी को शेयर बाजार बंद रहेंगे

मुंबई ।

महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों के चलते 15 जनवरी को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस` दिन बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। पहले यह दिन केवल सेटलमेंट हॉलिडे था, लेकिन अब नए सर्कुलर के अनुसार पूरे कैपिटल मार्केट सेगमेंट में छुट्टी घोषित की गई है। इस दिन इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग, करेंसी और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स एवं कमोडिटी डेरिवेटिव्स में केवल सुबह का सत्र रद्द रहेगा। शेयर बाजार 2026 में कई अवसरों पर बंद रहेगा, जिनमें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), होली (3 मार्च), श्री राम नवमी (26 मार्च), गुड फ्राइडे (3 अप्रैल), महाराष्ट्र दिवस (1 मई), गणेश चतुर्थी (14 सितंबर), दशहरा (20 अक्टूबर), दीवाली बलिप्रतिपदा (10 नवंबर) और क्रिसमस (25 दिसंबर) शामिल हैं। इसके अलावा सप्ताहांत यानी शनिवार और रविवार पर भी नियमित ट्रेडिंग नहीं होती।

अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और एआई सहयोग पर जोर दिया

वैष्णव ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली ।

रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने भारत की विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमता को मजबूत करने के लिए खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को आवश्यक बताया। वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में अमेरिका सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस और जर्मनी के वित्त मंत्री और उच्च अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रों को विवेकपूर्ण जोखिम-निवारण उपाय अपनाकर आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को दूर करना चाहिए। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने भी यह स्पष्ट किया कि उन्होंने पहले से किए गए निवेशों और योजनाओं के माध्यम से मजबूत, सुरक्षित और विविध

आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस दौरान वैष्णव ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस और भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा से मुलाकात की। बैठक में भारत में फरवरी 2026 में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पेक्ट से मिट पर चर्चा हुई।

ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा स्कार्पियो ने

नई दिल्ली ।

अपने मजबूत लुक, दमदार इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के चलते महिंद्र की स्कॉर्पियो ने साल 2025 में भी ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा। दिसंबर 2025 में इस एसयूवी की करीब 16 हजार यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिसके साथ स्कॉर्पियो ने उस महीने टॉप सेलिंग एसयूवी का स्थान हासिल किया। जनवरी से दिसंबर 2025 के पूरे साल की बात करें तो महिंद्रा स्कॉर्पियो की कुल 1,76,988 यूनिट्स बिकीं। यह आंकड़ा कंपनी के किसी भी दूसरे मॉडल से ज्यादा है। बिक्री के मामले में स्कॉर्पियो ने थार, बोलेरो और एक्सयूवी 3गुणाह्न जैसी लोकप्रिय एसयूवीएस को भी पीछे छोड़ दिया। इससे साफ है कि भारतीय ग्राहकों के बीच स्कॉर्पियो की मांग लगातार बनी हुई है। महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक अपने दमदार और पहचान वाले डिजाइन के लिए जानी जाती है। इसमें सिग्नेचर टॉवरिंग बोनट, नए डुअल-टोन बंपर, एलईडी डीआरएलएस, नई ग्रिल और रिफ्रेश्ड अलॉय व्हील्स जैसे अपडेट्स मिलते हैं। केबिन के अंदर 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ब्लूटूथ और यूएसबी कनेक्टिविटी, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल्स, रिमोट कीलेस एंट्री और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

सेफ्टी के लिहाज से इसमें डुअल एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, रियर पार्किंग सेंसर, स्पीड अलर्ट और सीटबेल्ट रिमाइंडर जैसे फीचर्स मिलते हैं।

महिंद्रा स्कॉर्पियो की एक्स-शोरूम कीमत 12.98 लाख से 16.70 लाख रुपये के बीच है। ऊंची सीटिंग पोजिशन और स्पेशियस केबिन इसे फैमिली के लिए भी उपयुक्त बनाते हैं। पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 2.2-लीटर एमहॉक डीजल इंजन दिया गया है, जो 130बीएचपी की पावर और 300एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आता है।

मुकेश अंबानी ने गुजरात में की रिलायंस के पांच बड़े कमिटमेंट्स की घोषणा

5 साल में 7 लाख करोड़ का निवेश करेगी रिलायंस

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में गुजरात के लिए पांच महत्वपूर्ण कमिटमेंट्स की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पिछले पांच साल में रिलायंस ने राज्य में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और अगले पांच साल में इसे 7 लाख करोड़ रुपये तक दोगुना किया जाएगा। इस निवेश का उद्देश्य बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना और लोगों की आजीविका को मजबूत करना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसमें सोलर पावर, एनर्जी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन फर्टिलाइजर, सस्टेनेबल एविएशन और एडवांस्ड मटीरियल्स शामिल होंगे। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य जामनगर को भारत का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी और ग्रीन मटीरियल्स एक्सपोर्ट हब बनाना है। रिलायंस कच्छ में मल्टी-गीगावॉट, यूटिलिटी-स्केल सोलर प्रोजेक्ट विकसित करेगा। यह प्रोजेक्ट चौबीसों घंटे क्लीन पावर सप्लाई के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्लीन एनर्जी परियोजनाओं में से एक बताया गया है। जामनगर में भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर बनाया जाएगा।` जियो लॉन्च करेगा पीपल-फर्स्ट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, जो भारत और दुनिया के लिए काम करेगा। इसका उद्देश्य हर भारतीय को अपनी भाषा और डिवाइस पर एआई सेवाओं का उपयोग करने का अवसर देना है। रिलायंस फाउंडेशन प्रधानमंत्री के 2036 ओलंपिक को अहमदाबाद लाने के विजन को समर्थन देगा। नारणपुरा में वीर सावरकर मल्टी-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जामनगर में वर्ल्ड-क्लास अस्पताल और रिलायंस स्कूल नेटवर्क का विस्तार भी योजना में शामिल है।

देश की खुदरा महंगाई दिसंबर में बढ़ी, फिर भी आरबीआई की सीमा के नीचे

कम महंगाई का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

दिसंबर में देश की खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) 1.33 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो नवंबर में 0.7 प्रतिशत थी। यह बीते तीन महीनों का उच्चतम स्तर माना जा रहा है। हालांकि, यह अभी भी भारतीय रिज़र्व बैंक की निचली सहनशील सीमा 2 प्रतिशत से नीचे है। साल 2025 में औसतन महंगाई दर लगभग 2.2 प्रतिशत रही, जो पिछले एक दशक में सबसे कम स्तरों में से एक है। इस कम महंगाई का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट रही। दिसंबर में खाद्य महंगाई लगातार सातवें महीने नकारात्मक रही, लेकिन -3.9 प्रतिशत से -2.71 प्रतिशत पर सुधरी। अनाज में 51 महीनों के बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई। सब्जियां और दालें लगातार 11वें महीने सस्ती रहीं, जबकि तेल और फलों की कीमतें भी कई महीनों के निचले स्तर पर रही। खाद्य और ईंधन को छोड़कर कोर महंगाई दिसंबर में 4.8 प्रतिशत तक बढ़ गई, जो 28 महीनों का उच्चतम स्तर है। यदि सोना-चांदी को हटाया जाए, तो कोर महंगाई 2.4 प्रतिशत पर स्थिर है। पर्सनल केयर महंगाई 28 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि घरेलू सामान, स्वास्थ्य और परिवहन क्षेत्रों में महंगाई कई सालों के निचले स्तर पर है।

जनवरी 2026 से नया 2024 आधार वर्ष लागू होगा, जिसमें गैर-खाद्य वस्तुओं का वज़न बढ़ाया गया है। इससे महंगाई आंकड़ों में बदलाव आने की संभावना है। मौद्रिक नीति पर असर की बात करें तो, महंगाई लक्ष्य से नीचे और कोर दबाव सीमित रहने के कारण आरबीआई की फरवरी बैठक में 25 बेसिस प्वाइंट दर कटौती की संभावना बढ़ गई है।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञ नए सीपीआई और जीडीपी डेटा का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि आने वाले महीनों में महंगाई में हल्की बढ़त देखने को मिल सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरे एकदिवसीय को भी जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

राजकोट (एजेंसी)। पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के निरंजन शाह स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बरकारार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 301 रनों का भी लक्ष्य हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। पहले एकदिवसीय में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेली थी। वहीं केएल राहुल ने भी मैच फिनिशर की जिम्मेदारी निभाई। ऑलराउंडर हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले दोनो से ही अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई थी। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने भी पहले एकदिवसीय में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी हालांकि वह मैच नहीं जीत पायी थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में किसी भी हाल में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना रहेगा।

पहले एकदिवसीय में कीवी टीम बीच के ओवरों में दबाव बनाने में सफल रही थी हालांकि राहुल ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया था। राजकोट की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है, ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है. भारत जहां जीत के साथ 2-0 की अजेय बढ़त लेना चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड की टीम जीत कर सीरीज में बने रहना चाहेगी। भारतीय टीम को इस मैच में वाशिंगटन सुंदर के बिना ही उतरना पड़ेगा क्योंकि वह चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर है। ऐसे में इस मैच उनकी जगह शामिल आयुष बाडोनी को शामिल किया जा सकता है। अगर आयुष को जगह मिलती है तो अपना एकदिवसीय डेब्यू करेंगे।

दोनो ही टीमों की भारत की संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आयुष बाडोनी और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग 11

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवन कॉन्वे, हेनरी निकल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल हे (विकेटकीपर), ज़ाकरी फाउल्क्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमिसन और आदित्य अशोक।

एलिसा हीली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिया हीली ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। 35 साल की हीली ने कहा कि वह भारत के साथ होनेवाली सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। हीली पिछले 15 साल से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सक्रिय हैं। टीम की कप्तानी करते हुए हीली ने छह टी-20 और तीन एकदिवसीय विश्वकप में अपनी टीम को जीत दिलायी है। हीली के पति ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क हैं।

हीली ने कहा, 'आगामी भारत दौरा ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी सीरीज होगी, यह कहते हुए मुझे हालांकि मिलाजुला अहसास हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से की मेरी इच्छा अभी भी बनी हुई है पर प्रतिस्पर्धा की वह भावना जो मुझे शुरुआत से प्रेरित करती रही है, अब कम हो गयी है। इससके साथ ही मानसिक थकान का भी अहसास हो रहा है। मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने का सही समय आ गया है। मुझे संन्यास के बाद अपने साथियों की, टीम गीत गाने की और ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने की बहुत याद आएगी।

हीली ने साल 2010 में ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेब्यू करते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सात शतकों लगाकर 3563 रन जबकि टी-20 में एक शतक के साथ ही 3054 रन बनाए थे। इसके अलावा उन्होंने विकेटकीपर रहते हुए 275 शिकार भी किये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि हीली क्रिकेट की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने 15 साल के करियर में मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभायी। हीली ने महिला क्रिकेट में अपनी अलग ही जगह बनायी। इस क्रिकेटर ने पहले ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। अब फरवरी और मार्च में भारत के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच की सीरीज में वह अंतिम बार नजर आयेंगी।

आईसीसी ने बांग्लादेश की विश्वकप मैचों के आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से साफ कह दिया है कि उसके टी20 विश्वकप मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे। आईसीसी ने बीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में खतरा है। वहीं इससे पहले बीसीबी ने आईसीसी से कहा था कि भारत में उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरा है, इसलिए उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जाएं। इससे साथ ही ये भी धमकी दी कि ऐसा नहीं होने पर वह मैचों का बायकाट कर सकता है।

वहीं आईसीसी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा की गई स्वतंत्र सुरक्षा जांच में भारत में खेलने पर बांग्लादेश टीम के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं पाया गया। इन जांचों में कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश टीम, अधिकारियों या मैच स्थलों के लिए कोई विशेष खतरा नहीं पाया गया। आईसीसी ने यह भी कहा कि कई बार आकस्मिक योजना बनायी जाती है पर उसे कभी जोखिम नहीं माना जा सकता है। ये पेशेवर जांच का हिस्सा होती है पर इसे कई बार गलत समझा जाता है। ये किसी प्रकार के वास्तविक खतरे को नहीं दिखाती है। वहीं बांग्लादेश के राष्ट्रीय खेल सलाहकार, आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि आईसीसी ने 2026 टी20 विश्व कप से पहले देश को संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में आगाह किया था। नजरुल ने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने को संभावित खतरे के रूप में बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी प्रशंसकों द्वारा अपनी राष्ट्रीय जर्सी पहनने और देश में चुनाव के समय को लेकर चिंता जताई गई थी। आईसीसी की ओर से कहा गया कि उसने कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि टीमों को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों का चयन या बहिष्कार करना चाहिए या समर्थकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से बचना चाहिए, या टूर्नामेंट के लिए चुनाव या अन्य घरेलू प्रक्रियाओं में बदलाव करना चाहिए।

राहुल बन सकते हैं बेहतर फिनिशर: आकाश चोपड़ा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे पता चलता है कि उनमें जबरदस्त फिनिशर बनने की क्षमताएं हैं। चोपड़ा के अनुसार राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में नाबाद 29 रन ही बनाये पर एक छोर थामे रखा। वहीं जब टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गिरने से दबाव में थी तब अच्छी साझेदारी बनाकर उसे उबारा। राहुल ने ऑलराउंडर हर्षित राणा के साथ 37 रनों की साझेदारी की जिसमें ऑलराउंडर ने ज्यादातर रन बनाए जबकि राहुल ने यह सुनिश्चित किया कि न्यूजीलैंड को उनका विकेट न मिले क्योंकि इससे विपक्षी टीम को भारतीय निचले क्रम तक पहुंचने का अवसर मिल जाता। राणा के विकेट के बाद राहुल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 27 रनों की साझेदारी की

राहुल ने 49वें ओवर तक संयम रखते हुए बड़े शॉट नहीं खेले। जब भारत को आखिरी 12 गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, तो राहुल ने तेजी दिखाई और लगातार चौके लगाए और फिर आखिरी ओवर की आखिरी तीन गेंदों में एक छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। चोपड़ा राहुल की इसी शांत और समझदारी भरी पारी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि राहुल में बहुमुखी प्रतिभा है। वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दबाव के बीच भी शांत बने रहे और उन्होंने धैर्य बनाये रखा। चोपड़ा ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में केएल राहुल का बल्लेबाजी का तरीका अलग ही था। हम उन्हें एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर देखते आये हैं। कई बार आपको लगता है कि वह तेजी से रन बनाएंगे और बड़े शॉट लगाकर मैच जल्दी समाप्त करने का प्रयास करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, वह उन गेंदों पर एक रन बना रहे थे जिन पर वह आमतौर पर शॉट मारते हैं, लेकिन उन्होंने सही अवसरों का इंतजार किया। एक एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी शुरु कर सकते हैं। मध्यक्रम में उतर सकते हैं और जरुरत पड़ने पर विकेट कीपिंग भी कर सकते हैं।

वीनस विलियम्स होबार्ट में पहले दौर में बाहर

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन को शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी कम समय बचा है तब 45 वर्षीय वीनस विलियम्स फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही है। वीनस मंगलवार को यहा होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तात्याना मारिया से 6-4, 6-3 से हार गईं। वीनस को साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड से प्रवेश दिया गया है। उन्हें होबार्ट में खेलने के लिए भी वाइल्डकार्ड मिला था, जहां वह लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त मारिया से हार गईं। विश्व रैंकिंग में 576वें स्थान पर काबिज सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन रविवार से शुरू होगा। होबार्ट में पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेजिसकोवा को पेटन स्टर्न्स से 6-4, 1-6, 7-6 (4) से हार का सामना करना पड़ा।

अंडर19 विश्वकप में वैभव तोड़ सकते हैं कई रिकार्ड

मुम्बई। उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की नजरें अब 15 जनवरी से शुरु हो रहे अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन पर रहेंगी। वैभव ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में हुए यूएथ एकदिवसीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और वह ये सिलसिला आगे भी बनाये रखना चाहेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम को अपना पहला मुकाबला अमेरिकी टीम से खेलना है। वैभव ने अब तक जिस प्रकार से बल्लेबाजी कर नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे तय है कि वह एकदिवसीय विश्वकप में भी इतिहास रच सकते हैं। विश्वप में तय है कि कई रिकार्ड वह तोड़ देंगे। वैभव अपनी बल्लेबाजी में बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। उनके अधिकतर रन चौकों और छक्कों से आते हैं। अंडर-19 विश्व कप के एक सत्र में सबसे ज्यादा 22 छक्कों का रिकॉर्ड। अभी दक्षिण अफ्रीक के डेवाल्ड ब्रेविस के नाम है जो वैभव इस बार तोड़ सकते हैं। वहीं अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट का रिकॉर्ड अभी भारत के ही पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 2004 में 93.51 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इस बार वैभव इसे भी तोड़ देंगे क्योंकि वह 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन सरफराज खान ने साल 2014 से 2016 के बीच 566 रन बनाए थे। वैभव जिस प्रकार से खेलते है उससे ये रिकार्ड भी टूट सकता है। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अभी जैक बर्नहैम और शिखर धवन के नाम संयुक्त रुप से है, दोनों ने ही तीन-तीन शतक लगाए हैं। वैभव अधिक से अधिक शतक लगाकर इसे भी तोड़ना चाहेंगे।

आइस हॉकी लीग की सीजन 3 के साथ लद्दाख में वापसी, तारीखों का हुआ ऐलान

लेह (लद्दाख) (एजेंसी)। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 3, 29 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक लद्दाख में आयोजित की जाएगी। रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन द्वारा, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख के सहयोग से आयोजित इस सीजन में लीग के विस्तार की एक अहम झलक देखने को मिलेगी।

इस बार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में व्यापक राउंड-रॉबिन फॉर्मेट अपनाया गया है, जिसमें प्रत्येक टीम कुल 75 मुकाबलों में एक-दूसरे से भिड़ेगी। यह लीग एक समग्र तकनीकी विकास कार्यक्रम का प्रतिस्पर्धात्मक चरण है, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक डैरिल ईसन के नेतृत्व में आइस हॉकी कोचों के प्रशिक्षण से हुई थी। इसके बाद प्रशिक्षित कोच अपने-अपने समुदायों में लौटकर प्रतिभाओं की पहचान करने और लीग में भागीदारी के लिए टीमों को व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित कर रहे हैं।

इस प्रकार, यह लीग सामुदायिक स्तर पर प्रशिक्षण और संगठित, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिस्पर्धा के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करती है। आइशर ग्रुप फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक बिदिशा डे ने कहा,%रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग की जड़ें सामुदायिक विकास में हैं। हमारा फोकस स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने, युवाओं और महिलाओं को अवसर

देने और हिमालयी क्षेत्रों से उभरती प्रतिभाओं के लिए एक स्पष्ट मार्ग तैयार करने पर रहा है।

यह लीग संस्कृति और गर्व का उत्सव भी है, जहां खेल लंबे शीतकाल के दौरान समुदायों को एकजुट करता है और साझा पहचान तथा दृढ़ता की भावना को मजबूत करता है।% लेह में आयोजित यह टूर्नामेंट स्थानीय प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है, जो खेल को नए क्षेत्रों तक विस्तार देता है और दूरदराज के हिमालयी समुदायों के खिलाड़ियों को संरचित लीग फॉर्मेट तथा पेशेवर रूप से प्रबंधित प्रतियोगिताओं का अनुभव प्रदान करता है। 2026 संस्करण में भाग लेने वाली टीमें लेह, नुब्रा, कारगिल, ज़ांस्कर, चांगथांग और आसपास के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस सीजन में खारू से दो नई टीमें- खारू ईगल्स (महिला) और खारू फाल्कन्स (पुरुष)-भी लीग में शामिल होंगी। लद्दाख में आइस हॉकी के विकास के लिए तैयार ब्लूप्रिंट के अनुरूप, यह लीग खेल के इकोसिस्टम को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है- जिसमें जमीनी स्तर की भागीदारी को प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों से जोड़ा जाता है। लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ी गांव और क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविरों से चुने जाते हैं, जिन्हें रॉयल एनफील्ड समर्थित क्षमता निर्माण पहलों के तहत प्रशिक्षित कोचों और अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलता है।

खेल के इकोसिस्टम को और सशक्त बनाते हुए दिसंबर 2025 में पहली बार एक समर्पित रेफरी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व इंटरनेशनल आइस हॉकी फेडरेशन के ऑफिशिएटिंग इंस्ट्रक्टर पीटर गेबी ने किया। इस पहल का उद्देश्य मैच संचालन के मानकों को ऊंचा उठाना, लीग के लिए पेशेवर गेम डिलीवरी सुनिश्चित करना और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित रेफरी तैयार करना है। खेल से परे, रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग लद्दाख में सामुदायिक जुड़ाव, युवाओं की भागीदारी और शीतकालीन पर्यटन को भी मजबूती प्रदान करती है।

मुकाबलों के दौरान जमी हुई रिंक सामूहिक सामुदायिक स्थलों में बदल जाती हैं, जहां परिवार, स्थानीय समर्थक और पर्यटक एक साथ जुटते हैं, और इस क्षेत्र में आइस हॉकी की गहरी सांस्कृतिक जड़ों को और मजबूत करते हैं। इस लीग के माध्यम से, रॉयल एनफील्ड अपने सोशल मिशन को आगे बढ़ाते हुए खेल के जरिए हिमालयी समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है-स्थानीय खेल इकोसिस्टम को मजबूत करना, आजीविका के अवसर तैयार करना, युवाओं और महिलाओं के लिए मार्ग बनाना और पूरे हिमालय क्षेत्र में समग्र शीतकालीन खेल संस्कृति को बढ़ावा देना।

विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने लिया संन्यास

ओटावा। विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। राओनिच 2016 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कनाडा के पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सेमीफाइनल में रोजर फेडरर को 6-3, 6-7, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था लेकिन फाइनल में एंडी मरे से हार गए थे। उस वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। वह उस वर्ष अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग तीन पर भी पहुंचे थे। राओनिच ने एक्स पर लिखा, 'अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।' अपनी तीखी सर्विस के कारण 'मिसाइल' नाम पाने वाले राओनिच ने 2011 में पेशेवर बनने के बाद आठ एटीपी एकल खिताब जीते। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर तीन सेट के मैच में सबसे अधिक ऐस (47) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने 2024 में क्वींस क्लब टूर्नामेंट में बनाया था। उन्होंने अपने करियर का अंतिम मैच पेरिस ओलंपिक में खेला था, जिसमें उन्हें पहले दौर में डोमिनिक कोएफ़र से 7-6, 6-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा था।

2025 के सफल साल के बाद आयुष शेट्टी का 2026 में टॉप 15 रैंकिंग का लक्ष्य

नई दिल्ली(एजेंसी)। 20 साल की उम्र में, आयुष शेट्टी भारत के सबसे होनहार शटलरों में से एक हैं, 2025 का साल उनके लिए बहुत सफल रहा जब उन्होंने यूएस ओपन सुपर 300 जीता और हाइलो ओपन में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को हराया, वह 2026 में देश के लिए और भी सम्मान हासिल करने के लिए उत्सुक हैं। सोमवार को योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के लॉन्च इवेंट के मौके पर यूनीवार्ता से बात करते हुए, उन्होंने अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, 'इस साल बहुत सारे बड़े टूर्नामेंट हैं, ऑल इंग्लैंड (ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप), घर पर विश्व चैंपियनशिप (2026 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप), फिर एशियाई खेल, मुझे उम्मीद है कि मैं सभी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करूंगा। मेरा लक्ष्य इस साल के अंत तक टॉप 15 या टॉप 10 रैंकिंग में पहुंचना है।' आयुष ने कहा, 'यूएस ओपन की जीत ने मुझे यह विश्वास दिलाया कि मैं दुनिया के टॉप खिलाड़ियों का सामना कर सकता हूं। मलेशियाई ओपन में मैंने ली ज़ी जिया और शी यूकी के खिलाफ खेला, मैं और भी टॉप खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने और जीतने की तरफ रहने के लिए उत्सुक हूं।'

आयुष हाल ही में समाप्त हुए मलेशिया ओपन 2026 में अच्छे प्रदर्शन के बाद आए हैं, जहां उन्होंने पहले राउंड में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ली ज़ी जिया को हराया और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन एक करीबी मैच में हार गए। कर्नाटक के रहने वाले खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें पहले लंबी रैलियां खेलने में झिझक होती थी, लेकिन अब उन्होंने इस पर काबू पा लिया है। 'मुझे लगता है कि मैंने इस पर काबू पा लिया है, अगर आप देखें, तो मैंने कोडाई (कोडाई नाराओका) के खिलाफ दो बार अच्छा खेला, वह लंबी रैलियां खेलते हैं, मुझे लगता है कि मैं इसे बेहतर तरीके से मैनेज कर पाया।'

आयुष, जो अपने कोर्ट पर अनुमान लगाने के कौशल और जानलेवा स्मैश के लिए जाने जाते हैं, ने कहा कि वह अभी भी अपने करियर के शुरुआती दौर में हैं और सुधार की बहुत गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि वह गेम के दौरान स्पीड में बदलाव लाना चाहते हैं और फिजिकली ज़्यादा बेहतर बनना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'गेम के दौरान स्पीड में बदलाव और फिजिकल पहलू के मामले में सुधार की बहुत गुंजाइश है, यह एक प्रोसेस है।'

आयुष 195 सेंटीमीटर (6 फीट 5 इंच) लंबे हैं और उनकी तुलना अक्सर डेनिश बैडमिंटन के महान खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन से की जाती है क्योंकि वह भी बहुत लंबे हैं। शेट्टी इस तुलना पर हंसते हुए कहते हैं कि यह दो बार

के ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन के साथ नाइंसाफी है। उन्होंने कहा, 'वह मेरे आइडल हैं, मैं लंबे समय से उनके गेम को फॉलो कर रहा हूं, मुझे लगता है कि मेरा गेम कुछ हद तक उनके जैसा है, लेकिन यह तुलना उनके साथ नाइंसाफी है क्योंकि उन्होंने बैडमिंटन में सब कुछ हासिल कर लिया है, मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता हूं।'

मैरीकॉम पर उनके पति ने लगाये गंभीर आरोप

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम पर उनके पति ओनलर कोम ने गंभीर आरोप लगाये हैं। मैरीकॉम के पति ओनलर का कहना है कि उनकी पत्नी का जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। इसी कारण उन दोनो का तलाक हुआ है। ओनलर का कहना है कि उनके पास प्राइवेट चैट भी हैं जो वह सबूत के तौर पर पेश कर सकते हैं। उनका कहना है कि इन्हीं सब कारणों से उनकी 18 साल की शादीशुदा जिंदगी में तूफान आया। कहना है कि कि मैरीकॉम के करियर को मजबूत बनाने में मैंने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं . मैरीकॉम ने हाल में अपने पति ओनलर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था जिसके बाद ओनलर ने ये आरोप लगो हैं।

ओनलर कहा, 'मैं बताऊंगा कि उन्होंने लोक अदालत में क्या कहा। सबसे पहले, 2013 में उनका एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। इससे हमारे परिवारों में झगड़ा हुआ था, और उसके बाद हमने समझौता कर लिया. इसके बाद साल 2017 से उनका मैरी कॉम बॉक्सिंग एकेडमी में काम करने वाले किसी व्यक्ति के साथ रिश्ता है. मेरे पास उनके व्हाट्सएप्प मैसेज सबूत के तौर पर हैं. मेरे पास उस व्यक्ति के नाम के साथ सबूत है जिसके साथ उसका अफेयर था। मैं चुप रहा।' मैरीकॉम ने हाल में कहा था कि जब तक मैं खेल रही थी और मेरी फाइनेंशियल हालत में मेरा कम दखल था, तब तक सब ठीक था लेकिन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले जब मुझे चोट लगी, तब मुझे लगा कि मैं झूठ की जिंदगी जी रही थी। मैं कई महीनों तक बिस्तर पर रही। उसके बाद मुझे चलने के लिए सहारे की जरूरत पड़ी। तब मुझे अहसास हुआ कि जिस इंसान पर मैंने भरोसा किया था, वह वैसा नहीं था जैसा मैंने सोचा था। मैं नहीं चाहती थी कि यह सब दुनिया के सामने तमाशा बने, इसलिए कई बार सुलह की कोशिश के बाद मैंने तलाक ले लिया. उन्होंन पति पर आरोप लगाया कि उनके साथ करोड़ों की धोखाधड़ी हुई है और उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से खरीदी गई जमीन भी खो दी है। दूसरी ओर ओनलर ने इस प्रकार की बातों को आधारहीन बताया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋतु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पन्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

दान-पुण्य का पर्व मकर संक्राति

तिल के यह 6 प्रयोग देंगे मनचाही खुशियां

भारतीय सूर्य-संस्कृति में दैनिक सूर्य पूजा का प्रचलन रामायण काल से चला आ रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा नित्य सूर्य पूजा का उल्लेख रामकथा में मिलता है। सूर्यवंशी श्रीराम के पूर्व मार्तण्ड थे।
राजा भगीरथ सूर्यवंशी थे, जिन्होंने भगीरथ तप-साधना के परिणामस्वरूप पापनाशिनी गंगा को पृथ्वी पर लाकर अपने पूर्वजों को मोक्ष प्रदान करवाया था। कपिल मुनि के आश्रम पर जिस दिन मातु गंगे का पदार्पण हुआ था, मकर संक्रांति का दिन था। पावन गंगाजल के स्पर्शमात्र से राजा भगीरथ के पूर्वजों को स्वर्ग की प्राप्ति हुई थी। राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों का गंगाजल-अक्षत-तिल से श्राद्ध-तर्पण किया था। तब से माघ मकर संक्रांति स्नान और मकर संक्रांति श्राद्ध-तर्पण की प्रथा आज तक प्रचलित है। कपिल मुनि ने वरदान देते हुए कहा था, 'मातु गंगे त्रिकाल तक जन-जन का पापहरण करेंगी और भक्तजनों की सात पीढ़ियों को मुक्ति एवं मोक्ष प्रदान करेंगी। गंगाजल का स्पर्श, पान, स्नान और दर्शन सभी पुण्यदायक फल प्रदान करेगा।'
महाभारत में पितामह भीष्म ने सूर्य के उत्तरायण होने पर ही माघ शुक्ल अष्टमी के दिन स्वेच्छा से शरीर का परित्याग किया था। उनका श्राद्ध संस्कार भी सूर्य की उत्तरायण गति में हुआ था। फलतः आज तक पितरों की प्रसन्नता के लिए तिल अरघ्य एवं जल तर्पण की प्रथा मकर संक्रांति के अवसर पर प्रचलित है। सूर्य के उत्तरायण होने के बाद से देवों की ब्रह्ममुहूर्त उपासना का पुण्यकाल प्रारंभ हो जाता है। इस काल को ही परा-अपरा विद्या की प्राप्ति का काल कहा जाता है। इसे साधना का सिद्धिकाल भी कहा गया है। इस काल में देव प्रतिष्ठा, गृह-निर्माण, यज्ञ-कर्म आदि पुनीत कर्मकिए जाते हैं। मकर संक्रांति के एक दिन पूर्व से ही व्रत-उपवास में रहकर योग्य पात्रों को दान देना चाहिए। सहस्रांशु की सहस्र किरणों के पृथक-पृथक प्रभाव हैं। सूर्य की पहली किरण जहां आसुरी सम्पत्तिमूलक भौतिक उन्नति की विधायक है, वहीं सूर्य की सातवीं किरण भारतवर्ष में दैवी सम्पत्तिमूलक आध्यात्मिक उन्नति की प्रेरणा देने वाली है। सातवीं किरण का प्रभाव भारत वर्ष में गंगा-जमुना के मध्य अधिक समय तक रहता है। इस भौगोलिक स्थिति के कारण ही हरिद्वार और प्रयाग में माघ मेला अर्थात मकर संक्रांति या पूर्ण कुंभ तथा अर्द्धकुंभ का विशेष उत्सव प्रायोजित हुआ करता है।
तत्वदर्शी महर्षियों ने पर्व व व्रत-विज्ञान के सैकड़ों अंश संयुक्त कर दिए हैं। वे इनके गूढ़ गुण गुम्फित लाभप्रद तत्वों को अनुभव जन्म प्रयोगों के द्वारा हृदयंगम कर चुके थे। शास्त्रों में उनके वर्णन करके तथा अपने प्रवचनों के द्वारा अनभिज्ञ व्यक्तियों को वे इन गुणों से परिचित कराया करते थे। उनके स्पष्ट अभिमत हैं कि व्रतों के प्रभाव से प्राणी की आत्मा शुद्ध होती है। संकल्प शक्ति बढ़ती है। ज्ञान तंतु विकसित होते हैं। अंतस्तल में सच्चिदानंद परमात्मा के प्रति श्रद्धा एवं भक्तिभाव का संचार होता है। मकर संक्रांति इसी चेतना को विकसित करने वाला व्रत-पर्व है। यह संपूर्ण भारत वर्ष में किसी न किसी रूप में आयोजित होता है।
विष्णु धर्मसूत्र में कहा गया है कि पितरों की आत्मा की शांति के लिए एवं स्व स्वास्थ्यवर्द्धन तथा सर्वकल्याण के लिए तिल के छः प्रयोग पुण्यदायक एवं फलदायक होते हैं- (1) तिल जल स्नान, (2) तिल दान, (3) तिल भोजन, (4) तिल जल अर्पण, (5) तिल आहुति, (6) तिल उबटन मर्दन।
निष्कर्ष यह कि सूर्य-संस्कृति में मकर संक्रांति का पर्व ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश, आद्यशक्ति और सूर्य की आराधना-उपासना का पावन व्रत है, जो तन-मन-आत्मा को शक्ति प्रदान करता है।

संक्रांति 14 जनवरी को ही क्यों आती है?

सूर्य भगवान का मकर राशि में प्रवेश अध्यात्म, खगोल विज्ञान और ज्योतिष शास्त्र के स्तरों पर अतिविशिष्ट पर्व माना जाता है। वर्ष की अन्य तिथियों व पर्वों में शायद ही ऐसी तिथि होगी जो सभी स्तर पर पूजनीय हो। तिथियों का क्षय हो, तिथियां घट-बढ़ जाएं, अधिक मास का पवित्र महीना आ जाए परंतु मकर संक्रांति 14 जनवरी को ही आती है। इसी दिन से सूर्यदेव का उत्तरायण में प्रवेश माना जाता है।
खगोल विज्ञान के अनुसार उत्तरायण सूर्य की छः मास की उस अवधि को कहते हैं जिसमें सूर्य की गति उत्तर अर्थात कर्क रेखा की ओर होती है। यानी मकर रेखा से उत्तर की ओर सूर्य भ्रमण करता है। छः माह बाद दक्षिणायन में सूर्य की गति कर्क रेखा से दक्षिण मकर रेखा की ओर होती है।
सूर्य आध्यात्मिक स्तर पर आत्माकारक, आत्मचिंतन एवं आत्मोन्नाति करने वाला ग्रह माना जाता है। पूरा सौरमंडल सूर्य से ऊर्जा प्राप्त करता है। बिना सूर्य सौरमंडल की कल्पना करना असंभव है। सूर्य आरोग्य एवं चेतनाशक्ति के देवता हैं। सूर्य ही आयुष्मान योग देने में समर्थ है। चंद्रमा की तरह सूर्य एक राशि में सवा दो दिन नहीं रहते। वे प्रत्येक नक्षत्र में लगभग 14 दिन से थोड़े से कम समय के लिए भ्रमण करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर राशि में जब सूर्य का उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश होता है, उन दिनों जो सूर्य की ऊर्जा निकलती है, वह अध्यात्म से अपेक्षाकृत अधिक सराबोर रहती है। उत्तराषाढ़ा ज्योतिष के कुल 27 नक्षत्रों में से इक्कीसवां नक्षत्र है। उत्तराषाढ़ा स्वयं सूर्य का नक्षत्र है क्योंकि वे स्वयं इस नक्षत्र के स्वामी हैं। इन्हीं कारणों से मकर संक्रांति के दिन स्नान, ध्यान, पूजा-पाठ, देव-स्मरण, मंत्रोच्चारण, मंत्र सिद्धि का महत्व बताया गया है। मंत्रोच्चारण के साथ पवित्र नदियों और सरोवरों में स्नान को विशेष पावन माना गया है। आज से नहीं, कम से कम महाभारत काल से तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि उत्तरायण सूर्य के दर्शन को मोक्षदायी माना गया है। शास्त्रों और पुराणों में प्रामाणिक संदर्भ हैं कि श्री हरि, भगवान विष्णु स्वयं ही सूर्य का रूप धारणकर ब्रह्मांड को आलोकित किए हुए हैं। महाभारत के विशिष्ट पात्र भीष्म पितामह शर-शय्या पर लेटकर भी मृत्यु का वरण करने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भारतीय संस्कृति में उत्तरायण के सूर्य के इससे बड़े महत्व का उदाहरण और क्या हो सकता है। वैदिक ऋचाओं और मंत्रों के सतत उच्चारण से हमारा शारीरिक तंत्र झंकृत हो उठता है और शनैः-शनैः आध्यात्मिक ऊर्जा संचित होती रहती है जो सद्गुणों के विकास और फैलाव में कारगर सिद्ध होती है। ऋषि-मुनियों के पास यही तो ऊर्जा रहती है।
मंत्रों के उच्चारण की शुद्धता से शक्ति पैदा होती है, इसे अब वैज्ञानिक भी मानने लगे हैं। तुलसीदासजी ने भी कहा है कि 'राम अतर्क्य बुद्धि, मन, बानी'। तर्क जड़ है इसलिए उसके जरिए चैतन्य का चिंतन असंभव है। इसलिए सूर्य का मकर राशि और विशेष रूप से उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में भ्रमण पुण्यों की राशि को प्रदान करने वाला है। आत्मशुद्धि के लिए यह समय अनुशंसित किया गया है। कोई आश्चर्य नहीं कि मकर संक्रांति को स्नान के लिए गंगा और गंगा सागर में जन आस्था का सैलाब उमड़ पड़ता है। विश्व चकित है इस आस्था के पर्व से। इस पर्व में अध्यात्म, खगोल विज्ञान और ज्योतिष शास्त्र तीनों की ही विशेषताएं समाविष्ट हैं, इसलिए यह पर्वों का पर्व कहा जा सकता है।

चन्द्रमा पर आधारित पंचाग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उत्तरायण कहा जाता है पौष माह के मध्य मे और आधुनिक पंचाग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि मे आने और जाने को सक्रांति कहते है पूरे भारतवर्ष मे यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है पंजाब मे लोहडी,उत्तर भारत मे मकर-सक्रांति, दक्षिण मे पोंगल,पूर्वीय पर्वतीय भारत मे बिहू के रूप मे मनाया जाता है लोग इस दिन को तिल और खिचडी सक्रांति भी कहते है क्योकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान है यह त्यौहार हिन्दू लोगो के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पूजा करते है और संपूर्ण भारत मे हिन्दू लोग भारी संख्या मे पवित्र नदिया मे स्नान करते है और गरीबो के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते है

तिल संक्राति

देश भर में लोग मकर संक्रांति के पर्व पर अलग-अलग रूपों में तिल, चावल, उड़द की दाल एवं गुड़ का सेवन करते हैं। इन सभी सामग्रियों में सबसे ज्यादा महत्व तिल का दिया गया है। इस दिन कुछ अन्य चीज भले ही न खाई जाएँ, किन्तु किसी न किसी रूप में तिल अवश्य खाना चाहिए। इस दिन तिल के महत्व के कारण मकर संक्रांति पर्व को तिल संक्राति के नाम से भी पुकारा जाता है। तिल के गोल-गोल लड्डू इस दिन बनाए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई है तथा उपरोक्त उत्पादों का प्रयोग सभी प्रकार के पापों से मुक्त करता है; गर्मी देता है और शरीर को निरोग रखता है। मंकर संक्रांति में जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वह पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को गर्म रखने वाले पदार्थ भी हैं।

सूर्य के उत्तरायण होने का पर्व

जितने समय में पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक चक्कर लगाती है, उस अवधि को सौर वर्ष कहते हैं। पृथ्वी का गोलाई में सूर्य के चारों ओर घूमना क्रान्तिचक्र कहलाता है। इस परिधि चक्र को बाँटकर बारह राशियाँ बनी हैं। सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना संक्रान्ति कहलाता है। इसी प्रकार सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने को मकर संक्रान्ति कहते हैं। सूर्य का मकर रेखा से उत्तरी कर्क रेखा की ओर जाना उत्तरायण तथा कर्क रेखा से दक्षिणी मकर रेखा की ओर जाना दक्षिणायन है। उत्तरायण में दिन बड़े हो जाते हैं तथा रातें छोटी होने लगती हैं। दक्षिणायन में ठीक इसके विपरीत होता है। शास्त्रों के अनुसार उत्तरायण देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन देवताओं की रात होती है। वैदिक काल में उत्तरायण को देवयान तथा दक्षिणायन को पितृयान कहा जाता था। मकर संक्रान्ति के दिन यज्ञ में दिये हव्य को ग्रहण करने के लिए देवता धरती पर अवतरित होते हैं। इसी मार्ग से पुण्यात्माएँ शरीर छोड़कर स्वर्ग आदि लोकों में प्रवेश करती हैं। इसलिए यह आलोक का अवसर माना जाता है। इस दिन पुण्य, दान, जप तथा धार्मिक अनुष्ठानों का अनन्य महत्व है और सौ गुणा फलदायी होकर प्राप्त होता है। मकर संक्रान्ति प्रत्येक वर्ष प्रायः 14 जनवरी को पड़ती है।

आभार प्रकट करने का दिन

पंजाब, बिहार व तमिलनाडु में यह समय फ़सल काटने का होता है। कृषक मकर संक्रान्ति को आभार दिवस के रूप में मनाते हैं। पके हुए गेहूँ और धान को स्वर्णिम आभा उनके अथक मेहनत और प्रयास का ही फल होती है और यह सम्भव होता है, भगवान व प्रकृति के आशीर्वाद से। विभिन्न परम्पराओं व रीतिङ्गरिवाज़ों के अनुरूप पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर में लोहड़ी नाम से मकर संक्रान्ति पर्व मनाया जाता है। सिन्धी समाज एक दिन पूर्व ही मकर संक्रान्ति को लाल लोही के रूप में मनाता है। तमिलनाडु में मकर संक्रान्ति पोंगल के नाम से मनाया जाता है, तो उत्तर प्रदेश और बिहार में खिचड़ी के नाम से मकर संक्रान्ति मनाया जाता है। इस दिन कहीं खिचड़ी तो कहीं चूड़ादही का भोजन किया जाता है तथा तिल के लड्डू बनाये जाते हैं।

खिचड़ी संक्रान्ति

चावल व मूंग की दाल को पकाकर खिचड़ी बनाई जाती है। इस दिन खिचड़ी खाने का प्रचलन व विधान है। घी व मसालों में पकी खिचड़ी स्वादिष्ट, पाचक व ऊर्जा से भरपूर होती है। इस दिन से शरद ऋतु क्षीण होनी प्रारम्भ हो जाती है। बसन्त के आगमन से स्वास्थ्य का विकास होना प्रारम्भ होता है। इस दिन गंगा नदी में स्नान व सूर्योपासना के बाद ब्राह्मणों को गुड़, चावल और तिल का दान भी अति श्रेष्ठ माना गया है। महाराष्ट्र में ऐसा माना जाता है कि मकर संक्रान्ति से सूर्य की गति तिल-तिल बढ़ती है, इसीलिए इस दिन तिल के विभिन्न मिष्ठान बनाकर एक-दूसरे का वितरित करते हुए शुभ कामनाएँ देकर यह त्योहार मनाया जाता है।

दान और पुण्यकर्म का दिन

संक्रान्ति काल अति पुण्य माना गया है। इस दिन गंगा तट पर स्नान व दान का विशेष महत्व है। इस दिन किए गए अच्छे कर्मों का फल अति शुभ होता है। वस्त्रों व कम्बल का दान, इस जन्म में नहीं; अपितु जन्मङ्गजन्मांतर में भी पुण्यफलदायी माना जाता है। इस दिन घृत, तिल व चावल के दान का विशेष महत्त्व है। इसका दान करने वाला सम्पूर्ण भोगों को भोगकर मोक्ष को प्राप्त करता है, ऐसा शास्त्रों में कहा गया है। उत्तर प्रदेश में इस दिन तिल दान का विशेष महत्त्व है। महाराष्ट्र में नवविवाहिता स्त्रियाँ प्रथम संक्रान्ति पर तेल, कपास, नमक आदि वस्तुएँ सौभाग्यवती स्त्रियों को भेंट करती हैं। बंगाल में भी इस दिन तिल दान का महत्त्व है। राजस्थान में सौभाग्यवती स्त्रियाँ इस दिन तिल के लड्डू, घेवर तथा मोतीचूर के लड्डू आदि पर रुपय रखकर, वायन के रूप में अपनी सास को प्रणाम करके देती है तथा किसी भी वस्तु का चौदह की संख्या में संकल्प करके चौदह ब्राह्मणों को दान करती है।

पतंग उड़ाने का दिन

यह दिन सुन्दर पतंगों को उड़ाने का दिन भी माना जाता है। लोग बड़े उत्साह से पतंगें उड़ाकर पतंगबाज़ी के दाँव-पेंचों का मज़ा लेते हैं। बड़े-बड़े शहरों में ही नहीं, अब गाँवों में भी पतंगबाज़ी की प्रतियोगिताएँ होती हैं।

गंगास्नान व सूर्य पूजा

पवित्र गंगा में नहाना व सूर्य उपासना संक्रान्ति के दिन अत्यन्त पवित्र कर्म माने गए हैं। संक्रान्ति के पावन अवसर पर हज़ारों लोग इलाहाबाद के त्रिवेणी संगम, वाराणसी में गंगाघाट, हरियाणा में कुरुक्षेत्र, राजस्थान में पुष्कर, महाराष्ट्र के नासिक में गोदावरी नदी में स्नान करते हैं। गुड़ व श्वेत तिल के पकवान सूर्य को अर्पित कर सभी में बाँटें जाते हैं। गंगासागर में पवित्र स्नान के लिए इन दिनों श्रद्धालुओं की एक बड़ी भीड़ उमड़ पड़ती है।

पुण्यकाल के शुभारम्भ का प्रतीक

मकर संक्रान्ति के आगामी दिन जब सूर्य की गति उत्तर की ओर होती है, तो बहुत से पर्व प्रारम्भ होने लगते हैं। इन्हीं दिनों में ऐसा प्रतीत होता है कि वातावरण व पर्यावरण स्वयं ही अच्छे होने लगे हैं। कहा जाता है कि इस समय जन्मे शिशु प्रगतिशील विचारों के, सुसंस्कृत, विनम्र स्वभाव के तथा अच्छे विचारों से पूर्ण होते हैं। यही विशेष कारण है, जो सूर्य की उत्तरायण गति को पवित्र बनाते हैं और मकर संक्रान्ति का दिन सबसे पवित्र दिन बन जाता है।

मकर संक्रांति का धार्मिक महत्व

जिस प्रकार तिल और गुड़ के मिलने से मीठे-मीठे लड्डू बनते हैं उसी प्रकार विविध रंगों के साथ जिंदगी में भी खुशियों की मिठास बनी रहे। जीवन में नित नई ऊर्जा का संचार हो और पतंग की तरह ही सभी सफलता के शिखर तक पहुंचे। कुछ ऐसी ही शुभकामनाओं के साथ सूर्य पर्व मकर संक्रांति पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में स्नान, दान व पुण्य का शुभ समय का विशेष महत्व है। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गुड व तिल लगाकर नर्मदा में स्नान करना लाभदायी होता है। इसके पश्चात दान संक्रांति में गुड, तेल, कंबल, फल, छाता दान से जातकों को लाभ मिलेगा। जातकों को गुड़ व तिल से स्नान करना व दान-पुण्य करना लाभदायक रहता है।

- पुराणों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन सूर्य अपने पुत्र शनि के घर एक महीने के लिए जाते हैं, क्योंकि मकर राशि का स्वामी शनि है। हालांकि ज्योतिषीय दृष्टि से सूर्य और शनि का तालमेल संभव नहीं, लेकिन इस दिन सूर्य खुद अपने पुत्र के घर जाते हैं। इसलिए पुराणों में यह दिन पिता-पुत्र के संबंधों में निकटता की शुरुआत के रूप में देखा जाता है।
- इस दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत करके युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी। उन्होंने सभी असुरों के सिरों को मंदार पर्वत में दबा दिया था। इसलिए यह दिन बुराइयों और नकारात्मकता को खत्म करने का दिन भी माना जाता है।
- एक अन्य कथा के अनुसार गंगा को धरती पर लाने वाले महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए इस दिन तर्पण किया था। उनका तर्पण स्वीकार करने के बाद इस दिन गंगा समुद्र में जाकर मिल गई थी। इसलिए मकर संक्रांति पर गंगा सागर में मेला लगता है।

कैसे मनाएं संक्रांति पर्व

मकर संक्रांति को सूर्य के संक्रमण का त्योहार माना जाता है। एक जगह से दूसरी जगह जाने अथवा एक-दूसरे का मिलना ही संक्रांति होती है। सूर्य जब धनु राशि से मकर पर पहुंचता है तो मकर संक्रांति मनाई जाती है।
राशि परिवर्तन - सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहते हैं। यह परिवर्तन मास में एक बार आता है। सूर्य के धनु राशि से मकर राशि पर जाने का महत्व इसलिए अधिक है कि इस समय सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण हो जाता है।
इस तरह मनाएं संक्रांति - ●इस दिन प्रातःकाल उबटन आदि लगाकर तीर्थ के जल से मिश्रित जल से स्नान करें। ● यदि तीर्थ का जल उपलब्ध न हो तो दूध, दही से स्नान करें। ●तीर्थ स्थान या पवित्र नदियों में स्नान करने का महत्व अधिक है। ●स्नान के उपरांत नित्य कर्म तथा अपने आराध्य देव की आराधना करें। ● पुण्यकाल में दांत मांजना, कठोर बोलना, फसल तथा वृक्ष का काटना, गाय, भैंस का दूध निकालना व मैथुन काम विषयक कार्य कदापि नहीं करना चाहिए। ●इस दिन पतंगें उड़ाए जाने का विशेष महत्व है।
पुण्य पर्व है संक्रांति - उत्तरायण देवताओं का अयन है। यह पुण्य पर्व है। इस पर्व से शुभ कार्यों की शुरुआत होती है। उत्तरायण में मृत्यु होने से मोक्ष प्राप्ति की संभावना रहती है। पुत्र की राशि में पिता का प्रवेश पुण्यवर्द्धक होने से साथ-साथ पापों का विनाशक है। सूर्य पूर्व दिशा से उदित होकर 6 महीने दक्षिण दिशा की ओर से तथा 6 महीने उत्तर दिशा की ओर से होकर पश्चिम दिशा में अस्त होता है। उत्तरायण का समय देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन का समय देवताओं की रात्रि होती है, वैदिक काल में उत्तरायण को देवयान तथा दक्षिणायन को पितृयान कहा गया है। मकर संक्रांति के बाद माघ मास में उत्तरायण में सभी शुभ कार्य किए जाते हैं।

नारी द्वारा दान

मकर संक्रान्ति पर अधिकांश में नारियाँ ही दान करती हैं। वे पुजारियों को मिट्टी या ताम्र या पीतल के पात्र, जिनमें सुपारी एवं सिक्के रहते हैं, दान करती हैं और अपनी सहेलियों को बुलाया करती हैं तथा उन्हें कुंकुम, हल्दी, सुपारी, ईख के टुकड़े आदि से पूर्ण मिट्टी के पात्र देती हैं। दक्षिण में पोंगल नामक उत्सव होता है, जो उत्तरी या पश्चिमी भारत में मनाये जाने वाली मकर संक्रान्ति के समान है।

सम्मान और स्नेह का प्रतीक लोहड़ी

पंजाब एक ऐसा राज्य है, जहाँ हर दिन कोई ना कोई त्योहार मनाया जाता है। पंजाबी दुनिया में जहाँ अपनी अलग पहचान रखते हैं, वहीं पंजाब के त्योहारों की भी अपनी एक अलग जगह है। वर्ष की सभी ऋतुओं पतझड, सावन और बसंत में कई तरह के छोटे-बड़े त्योहार मनाए जाते हैं, जिन में से एक प्रमुख त्योहार लोहड़ी है जो बसंत के आगमन के साथ 13 जनवरी, पौष महीने की आखरी रात को मनाया जाता है। इसके अगले दिन माघ महीने की सक्रांति को माघी के रूप में मनाया जाता है। लोहड़ी का सबंध भी पंजाब के गाँव, फसल और मौसम से है। पौष की कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए भाईचारे की साँझ और अग्नि का सकुन लेने के लिए यह त्योहार मनाया जाता है। बाकी त्योहारों जैसे दिवाली, वैसाखी की तरह इस त्योहार के साथ कोई धार्मिक घटना नहीं जुड़ी हुई है, इसी कारण यह त्योहार पंजाब की सभ्यता का प्रतीक बन गया है। लोहड़ी शब्द तिल + रोड़ी शब्दों के मेल से बना है, जो समय के साथ बदल कर तिलोड़ी और बाद में लोहड़ी हो गया। पंजाब के कई इलाकों मे इसे लोही या लोई भी कहा जाता है।

लोहड़ी का त्योहार

लोहड़ी का सबंध कई ऐतिहासिक कहानियों के साथ जोड़ा जाता है, पर इस से जुड़ी प्रमुख लोककथा दुल्ला भट्टी की है जो मुगलों के समय का एक बहादुर योद्धा था, जिसने मुगलों के बढ़ते जुल्म के खिलाफ कदम उठाया। कहा जाता है कि एक ब्राह्मण की 2 लड़कियों सुंदरी और मुंदरी के साथ इलाके का मुगल शासक जबरन शादी करना चाहता था, पर उन दोनों की सगाई कहीं और हुई थी और उस मुगल शासक के डर से उनके भावी ससुराल वाले शादी के लिए तैयार नहीं थे। इस मुसीबत की घडी में दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की मदद की और लडके वालों को मना कर एक जंगल में आग जला कर सुंदरी और मुंदरी का व्याह करवाया। दुल्ले ने खुद ही उन दोनों का कन्यादान किया। कहते हैं दुल्ले ने शगुन के रूप में उनको शक्कर दी थी। दुल्ला भट्टी की जुल्म के खिलाफ मानवता की सेवा को आज भी लोग याद करते हैं और उस रात को लोहड़ी के रूप में सत्य और साहस की जुल्म पर जीत के तौर पर मनाते हैं। इस त्योहार का सबंध फसल से भी है, इस समय गेहूँ और सरसों की फसलें अपने यौवन पर होती हैं, खेतों में गेहूँ, छोले और सरसों जैसी फसलें लहराती हैं। लोहड़ी के दिन गाँव के लड़के-लड़कियाँ अपनी-अपनी टोलियाँ बना कर घर-घर जा कर लोहड़ी के गाने गाते हुए लोहड़ी माँगते हैं। इन गीतों में दुल्ला भट्टी का गीत सुंदर, मुंदरिये हो,तेरा कौन विचारा हो... , दे माई लोहड़ी, तेरी जीवे जोड़ी , दे माई पाथी तेरा पुत्त चड़ेगा हाथी आदि प्रमुख हैं। लोग उन्हें लोहड़ी के रूप में गुड, रेवड़ी, मूँगफली, तिल या फिर पैसे भी देते हैं। यह टोलियाँ रात को अग्नि जलाने के लिए घरों से लकडियाँ, उपलें आदि भी इकट्ठा करती हैं, और रात को गाँव के लोग अपने मुहल्ले में आग जला कर गीत गाते, भांगडा-गिद्धा करते, गुड, मूँगफली, रेवड़ी, धानी खाते हुए लोहड़ी मनाते हैं। अग्नि में तिल डालते हुए ईशर आए दलिदर जाए, दलिदर दी जड चुल्हे पाए बोलते हुए अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तरप्रदेश में 15 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश... योगी सरकार का ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मकर संक्रांति 2026 के मौके पर 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जारी अधिसूचना के अनुसार, सभी सरकारी कार्यालय, स्कूल और राज्य संचालित संस्थान में 15 को अवकाश रहेगा। आमतौर पर मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाती है, लेकिन इस वर्ष सूर्य देव 14 को दोपहर 3ः13 बजे मकर राशि में प्रवेश कर रहे है। चूंकि संक्रांति के धार्मिक अनुष्ठान प्रायः सुबह होते हैं, इसलिए सही शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी को पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। इस मौके पर प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, उन्नाव, मेरठ और बिजनौर सहित उत्तर प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। लोग गंगा और सरयू में पवित्र स्नान और दान करने वाले है। इसी तरह, ऋषिकेश और हरिद्वार में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिलेगी। मकर संक्रांति को खिचड़ी त्यौहार के रूप में भी जाना जाता है और इस सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के दिन मनाया जाता है। इस बार शुभ मुहूर्त और धार्मिक परंपराओं के आधार पर 15 जनवरी को उत्सव मनाना उचित माना गया है।

अब्बास अंसारी को बड़ी राहत देकर सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत मंजूर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत देकर गैंगस्टर एक्ट के मामले में नियमित जमानत मंजूर कर ली है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी अंतरिम जमानत को स्थायी किया। इससे पहले कोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें अंतरिम जमानत दी थी और सितंबर 2024 में जमानत की कुछ शर्तों में ढील भी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि अंसारी के सार्वजनिक रूप से बोलने पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। अंसारी जनप्रतिनिधि होने के नाते वे सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन अपने खिलाफ चल रहे विचाराधीन मामलों पर सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकते है। कोर्ट ने अनुमति दी थी कि वे लखनऊ स्थित अपने पुराने पते के बजाय किसी अन्य स्थान पर रह सकते हैं, बशर्ते इसकी सूचना यूपी पुलिस और निचली अदालत को दी जाए। अब्बास अंसारी पर अगस्त 2024 में मारपीट और जबरन वसूली के आरोपों के तहत उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एंड एंटी-सोशल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले वे अन्य आपराधिक मामलों में पहले ही जमानत पा चुके थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर 2024 में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उन्हें बड़ी कानूनी राहत मिली है।

डिलीवरी बॉय से बदसलूकी का वीडियो वायरल, स्टोर मालिक पर केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के ओल्ड कोंडली इलाके में एक क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाले 18 वर्षीय डिलीवरी बॉय के साथ दुकान मालिक द्वारा की गई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। आरोप है कि डिलीवरी बॉय ने दुकान से परफ्यूम निकालकर खुद पर छिड़क लिया था, जिससे नाराज होकर स्टोर मालिक ने उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया। पीड़ित की पहचान ओल्ड कोंडली निवासी ऋषा कुमार के रूप में हुई है, जो जेप्टो कंपनी में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता है। वायरल वीडियो के मुताबिक, 6 जनवरी की इस घटना में स्टोर मालिक ने पहले ऋषा कुमार को दुकान में ही 卐मुर्गा卐 बनाकर खड़ा रखा और बाद में सबके सामने उसे कई थप्पड़ मारे। यह पूरी घटना दुकान में मौजूद लोगों के सामने हुई, जिसका 43 सेकंड का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस स्टोर मालिक से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि ऋषा कुमार उर्फ लाला बाबू अपने परिवार के साथ हरिजन बस्ती, ओल्ड कोंडली में रहता है और गिग वर्कर के रूप में काम करता है। इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। इंडियन यूथ कांग्रेस और दिल्ली यूथ कांग्रेस ने वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर शर्मनाक बताकर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने 4 जनवरी 2026 को ड्राफ्ट सोशल सिक्योरिटी रूल्स जारी किए हैं। इन नियमों के लागू होने से गिग वर्कर्स को जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाएं गिग वर्कर्स की सुरक्षा और सम्मान को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

केंद्र ने एनआईए को सौंपी अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामलों की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के हाथों में सौंप दी है। यह मामला दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से एनआईए को स्थानांतरित किया है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए भारत में बांग्लादेशी नागरिकों की अवैध घुसपैठ कराने वाले पूरे नेटवर्क, उसके ऑपरेटर्स और मनी ट्रेल की गहराई से जांच करेगी। एजेंसी इस मामले में जल्द एक नई एफआईआर भी दर्ज कर सकती है। दरअसल यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर की गई है, इसके बाद देशभर में अवैध घुसपैठ के खिलाफ सख्ती बढ़ई गई है। जांच एजेंसियों का फोकस उन संगठित सिंडिकेट्स पर है, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश दिलाने, ठहराने और उन्हें फर्जी दस्तावेज उपलब्ध करने की साजिश में लगे हुए है। सूत्रों ने बताया कि जांच के दायरे में फर्जी आधार कार्ड, वोटर आईडी और अन्य पहचान पत्र बनवाने वाला पूरा नेटवर्क है।

इन दस्तावेजों के द्वारा घुसपैठियों को भारतीय नागरिक सुविधाएं और वोटिंग का अधिकार दिलाने की कोशिश की जाती है, बहुत हद तक सिंडिकेट को इसमें सफलता भी मिल जाती है। इसके लिए संगठित गिरोहों द्वारा मोटी रकम वसूली जाती है, जिसकी मनी ट्रेल की जांच एनआईए करेगी। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने मामले में पहले एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आपराधिक साजिश, जालसाजी और विदेशी अधिनियम से जुड़ी धाराएं लगाई गई थीं। खुफिया इनपुट के आधार पर कई राज्यों में गिरफ्तारियां भी की गई हैं, जिससे यह साफ हुआ कि यह नेटवर्क सिर्फ एक राज्य तक सीमित नहीं है।

चार साल में 3 राज्यों में ईडी चुनाव से कुछ समय पहले कर चुकी है बड़ी कार्रवाई

-पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले ईडी की बढ़ती सक्रियता को लेकर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले ईडी की बढ़ती सक्रियता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ताजा मामला कोलकाता में आई-पीएसी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी का है, जिसमें सीएम ममता बनर्जी और ईडी आमने-सामने आ गए हैं। बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होना हैं। इससे पहले 4 साल में 3 राज्यों झारखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र में ऐसा हो चुका है, जब ईडी ने पुराने मामलों में चुनाव से कुछ समय पहले बड़ी कार्रवाई की है।

इस साल बंगाल समेत तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होना हैं। इसके साथ इन राज्यों में ईडी ने पुराने मामलों की फाइलें खोलना शुरू कर दिया है। तमिलनाडु में शराब, रियल एस्टेट और शेल कंपनियों से जुड़े मामले सत्ताधारी डीएमके के लिए परेशानी बन गए हैं। वहीं असम में बीजेपी की सरकार है। विपक्षी कांग्रेस और एआईयूडीएफ से जुड़े नेताओं पर कार्रवाई का डर चुनावी फंडिंग नेटवर्क पर असर डाल रहा है। केरल में सोना तस्करी और सहकारी बैंक मामलों से एलडीएफ सरकार घिरी हुई है। पुडुचेरी में कारोबारी और राजनीतिक गठजोड़ पर एजेंसी की नजर है।

बता दें झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद दबाव बना था। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने आप का ताना-बाना बिगाड़ दिया था। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी से जुड़े मामलों के बीच दल टूटे और सरकारें गिरीं। कई बार चार्जशीट से पहले ही राजनीतिक समीकरण बदल गए। हालांकि इडी का कहना है कि उसका काम केवल कानून के तहत जांच करना है, चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में आई-पीएसी मामला 5 साल पुराना, लेकिन पहला छापा चुनाव से 2-3 महीने पहले मारा गया। ईडी ने कोयला तस्करी से जुड़े 2,742 करोड़ के मनी-लॉन्डरिंग मामले के तहत 8 जनवरी को इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के कार्यालय और निर्देशक प्रतीक जैन के घर छापेमारी की थी। सीबीआई ने इस मामले में 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी। ईडी ने 28 नवंबर 2020 को इसकी जांच शुरू की थी। यह मामला अब 5वें साल में है, लेकिन कार्रवाई ठीक उस वक्त सामने आई, जब बंगाल में मार्च-अप्रैल 2026 में चुनाव होने हैं।

आई-पीएसी भारत की पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है, जो राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। आरोप है कि 20 करोड़ हवाला के जरिए आई-पीएसी तक ट्रांसफर हुए। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने जांच में बाधा डाली और सबूत नष्ट किए। दिल्ली में 2022 के मामले में 2024 में सीएम अरेस्ट हुए, 2025 में चुनाव थे। 2022 में शराब नीति मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में सीबीआई और ईडी जांच की शुरुआत हुई। फरवरी 2023 में इस मामले में मनीष सिसोदिया और मार्च 2024 में तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई। फरवरी 2025 में विधानसभा चुनाव हुए और बीजेपी सत्ता पर काबिज हो गई।

वहीं झारखंड में अगस्त 2023 में ईडी ने भूमि और मनी-लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया। दिसंबर में पूछताछ हुई। जनवरी 2024 में ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को इस मामले में गिरफ्तार कर

लिया। इसके बाद उन्हें अपना सीएम पद छोड़ना पड़ा था। नवंबर 2024 में चुनाव हुए। हालांकि, हेमंत सोरेन की पार्टी जीती और वे फिर सीएम बन गए।

महाराष्ट्र में 2021 के मामले में 3 साल बाद चुनाव से 6 दिन पहले छापेमारी की। 14 नवंबर 2024 को ईडी ने महाराष्ट्र और गुजरात में 23 स्थानों पर छापेमारी की और व्यापारी सिराज अहमद हारुन मेमन से जुड़े 125 करोड़ रुपए के मनी-लॉन्ड्रिंग और चुनावी फंडिंग ट्रेल को खंगाला। 20 नवंबर 2024 को चुनाव से छह दिन पहले इस मामले में विपक्षी दलों पर नोट और वोट जिहाद के आरोप लगे। इस चुनाव में बीजेपी ने जी हासिल की।

डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की जांच करेगी सीबीआई, सरकार ने पेश की स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान मामले में केंद्र सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट पेश कर दी है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया है कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों की गंभीरता को देखते हुए जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसके लिए एक ठोस, समन्वित योजना बनाई जा रही है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि कोर्ट के 16 दिसंबर 2025 के आदेश के मुताबिक दिल्ली पुलिस की एफआईआर को अब सीबीआई को सौंप दिया गया है। इसके बाद सीबीआई ने 9 जनवरी को इस मामले में नई एफआईआर दर्ज की है। इसका उद्देश्य डिजिटल अरेस्ट से जुड़े नेटवर्क और अपराध के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टेटस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत गृह मंत्रालय ने डिजिटल अरेस्ट की समस्या से निपटने के लिए एक हाई-लेवल इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता गृह मंत्रालय में आंतरिक सुरक्षा के विशेष सचिव कर रहे हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, विदेश मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, कानून मंत्रालय, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, आरबीआई, सीबीआई, एनआईए, दिल्ली पुलिस और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक समिति की पहली बैठक 29 दिसंबर को हुई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और एमिकस क्यूरी के सुझावों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके बाद 2 जनवरी को एमिकस क्यूरी के साथ एक विशेष बैठक हुई, जिसमें दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, आरबीआई और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के प्रतिनिधि शामिल थे। वहीं, 6 जनवरी को आईटी इंटरमीडियरीज जैसे गूगल, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और माइक्रोसॉफ्ट के साथ भी बैठक की गई। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि सभी विभागों से सुझाव लेकर एक ठोस और व्यापक योजना तैयार करने के लिए उसे कम से कम एक महीने का समय दिया जाए, ताकि डिजिटल अरेस्ट जैसी गंभीर समस्या से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके।

फडणवीस के बयान पर संजय राउत का पलटवार... मराठी मानुष को ठाकरे परिवार से नहीं, भाजपा से खतरा

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर तीखा पलटवार कर कहा है कि मराठी मानुष को ठाकरे परिवार से नहीं, बल्कि भाजपा से खतरा है। सीएम फडणवीस द्वारा ठाकरे बंधुओं के ÷अस्तित्व खतरे में÷ होने की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देकर राउत ने कहा कि मुख्यमंत्री को ठाकरे परिवार की नहीं, बल्कि अपनी राजनीति की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ठाकरे परिवार किसी भी तरह की धमकियों का सामना करने में सक्षम है और डरने वाला नहीं है।

दरअसल प्रेसवार्ता में सांसद संजय राउत ने कहा, 'देवेंद्र भाऊ, हमारी चिंता मत कीजिए। हम आपकी तरह डरे हुए नहीं हैं। हम न फर्जी मतदाता सूची बनाते हैं और न ही चुनाव जीतने के लिए पैसा बांटते हैं।' राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा ही मराठी मानुष के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि 'भूमिपुत्र' का मुद्दा बीते 60 वर्षों से महाराष्ट्र में प्रासंगिक रहा है और यह केवल ठाकरे बंधुओं का नहीं, बल्कि पूरे मराठी समाज का सवाल है। राउत ने कहा कि शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने ही भाजपा को महाराष्ट्र में मजबूती दी। यदि बालासाहेब न होते, तब भाजपा को कोई नहीं जानता। उन्होंने आरोप लगाया कि फडणवीस द्वारा ठाकरे बंधुओं पर सवाल उठाना, दरअसल बालासाहेब ठाकरे को चुनौती देने जैसा है।

इसके पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवाजी पार्क में संयुक्त रैली को संबोधित कर ठाकरे बंधुओं पर हमला बोला था। फडणवीस ने सवाल किया था कि यदि मराठी मानुष खतरे में है, तब पिछले 30 वर्षों में ठाकरे बंधुओं ने उसके लिए क्या किया। उन्होंने दावा किया कि मराठी मानुष का नहीं, बल्कि ठाकरे बंधुओं का अस्तित्व खतरे में है और बीएमसी का नया मेयर महायुति से, हिंदू और मराठी होगा।

अगर कुत्ते के काटने से कोई मौत या घायल होता है तो सरकार पर होगा मुआवजा तय

-सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई करते हुए की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर मंगलवार को अहम टिप्पणी की। बेंच ने चेतावनी दी कि अगर किसी कुत्ते के काटने से कोई मौत होती है या कोई घायल होता हैं, तो राज्य सरकार पर हर ऐसे मामले के लिए मुआवजा तय किया जाएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ नहीं किया। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जो लोग कुत्तों को खाना खिलाने का दावा करते हैं, उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। बेंच ने पूछा कि अगर आप कुत्तों को इतना चाहते हैं तो इन्हें अपने घर ले जाइए। कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमें, लोगों को काटें और डराएं?

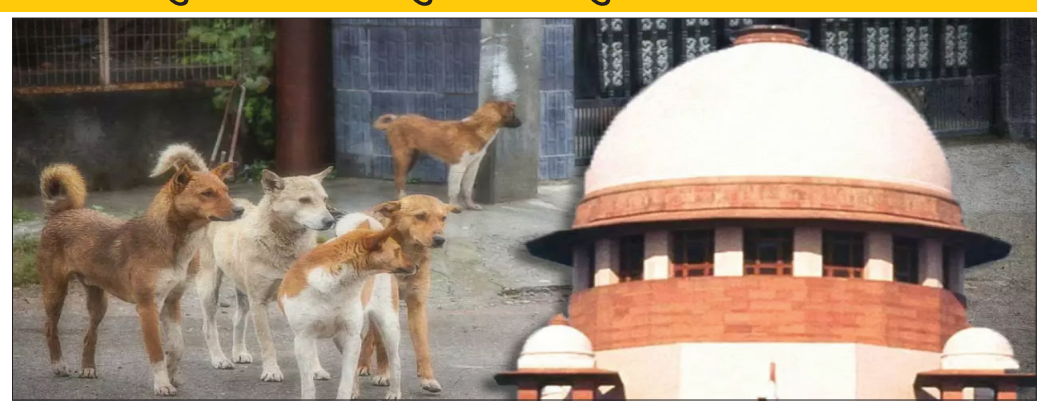

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी के उस बयान के जवाब में आई, जिन्होंने कहा था कि आवारा कुत्तों का मुद्दा भावनात्मक है। बेंच ने उनसे कहा कि भावनाएं अब तक सिर्फ कुत्तों के लिए ही लग रही हैं। इस पर गुरुस्वामी ने जवाब दिया कि ऐसा नहीं है। मैं इंसानों के बारे में भी उतना ही चिंतित हूं। कुत्ते के काटने की शिकार एक महिला ने भी कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मैं इस बात से सहमत हूं कि एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम को सही से लागू करने पर कुत्तों की आक्रामकता और उनकी संख्या को कम करने में मदद मिलेगी, लेकिन मुझे एक कुत्ते ने बिना किसी उकसावे के काट लिया था। महिला ने बेंच को बताया कि वह कुत्ता लंबे समय से क्रूरता का शिकार था। यह डर के कारण होने वाली रक्षात्मक आक्रामकता थी। मैं किसी और के किए हुए कार्यों की सजा भुगत रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए कोर्ट ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं। सीनियर वकील ने कहा कि दिल्ली जैसे स्थानों में चूहों का प्रकोप है और दिल्ली में बंदरों से भी एक अनूठी समस्या है। कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। जज मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

अंकिता भंडारी हत्याकांड: सरकार ने सीबीआई जांच के लिए भेजा पत्र, पूर्व विधायक नार्को टेस्ट के लिए तैयार

देहरादून (एजेंसी)। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग और वीआईपी की भूमिका को लेकर जारी विवाद के बीच उत्तराखंड सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को सरकार ने इस संवेदनशील मामले की सीबीआई जांच के लिए औपचारिक पत्र भेज दिया है। वहीं पूर्व विधायक भी नार्को टेस्ट कराने के लिए सहमत हो गए हैं। मुख्यमंत्री के सचिव शैलेश बगौली ने इस कदम की पुष्टि करते हुए बताया कि अंकिता के माता-पिता की भावनाओं और उनकी मांग का सम्मान करते हुए, विशेष रूप से उस वीआईपी की भूमिका की जांच का अनुरोध किया गया है जिसका नाम बार-बार इस प्रकरण में सामने आता रहा है। सरकार द्वारा भेजे गए इस पत्र में हत्याकांड का पूरा ब्योरा दिया गया है और केंद्रीय जांच एजेंसी से गहन पड़ताल का आग्रह किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी और माता सोनी देवी ने हाल ही में देहरादून में मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने वीआईपी की संलिप्तता की जांच सीबीआई से और सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में कराने की गुहार लगाई थी। कानूनी

पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, मुख्यमंत्री ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार अंकिता को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और जांच की आंच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, इस मामले से जुड़े एक कथित ऑडियो-वीडियो के वायरल होने के बाद कानूनी शिकंजा कसता नजर आ रहा है। इस प्रकरण में आरोपों के घेरे में आए पूर्व विधायक सुरेश राठौर सोमवार देर रात नेहरू कॉलोनी थाने पहुंचे, जहां पुलिस अधिकारियों ने उनसे लंबी पूछताछ की। पुलिस का मुख्य ध्यान उस ऑडियो क्लिप पर रहा जिसमें कथित तौर पर पूर्व विधायक की आवाज होने का दावा किया जा रहा है। पूछताछ के दौरान राठौर ने स्वीकार किया कि आवाज उनकी हो सकती है, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि उस समय वे पूरी तरह होश में नहीं थे। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों और नींद की दवाओं के सेवन का हवाला देते हुए कहा कि यह बातचीत उनकी सहमति के बिना रिकॉर्ड की गई थी, इसलिए इसे प्रमाणित नहीं माना जाना चाहिए। पुलिस प्रशासन पूर्व विधायक के जवाबों से पूरी तरह संतुष्ट नजर नहीं आया, जिसके बाद जांच को वैज्ञानिक दिशा देने की कवायद शुरू की गई। पुलिस ने सुरेश राठौर के सामने वॉयस सैंपल देने और नार्को टेस्ट कराने का विकल्प रखा। पूर्व विधायक ने नार्को टेस्ट के लिए अपनी लिखित सहमति दे दी है। अब पुलिस फॉरेंसिक लैब के माध्यम से आवाज के मिलान और नार्को टेस्ट की प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाएगी। सरकार और पुलिस दोनों ही इस मामले में निष्पक्ष और वैज्ञानिक जांच का भरोसा दे रहे हैं, ताकि लंबे समय से चले आ रहे इस हत्याकांड के रहस्य से पर्दा उठ सके और असल दोषियों को कानून के कठघरे में खड़ा किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा बंगाल में 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से कैसे कटे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया के तहत पश्चिम बंगाल में 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। इस पर राज्य की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी ने घोर आपत्ति उठाई है। टीएमसी ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस पर न्यायालय ने साफ कहा है कि चुनाव आयोग ने इतनी बड़ी संख्या में लोगों के नाम कैसे काट दिए। इस पर एक हफ्ते के भीतर जवाब दें। याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाई और एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पारदर्शिता की एक बड़ी चुनौती करार दिया है।

सांसद डोला सेन द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान वैध दस्तावेजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों मतदाताओं के नाम अवैध रूप से हटा दिए गए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में दलील दी कि चुनाव आयोग जमीनी स्तर के अधिकारियों को व्हाट्सऐप मैसेज और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौखिक निर्देश दे रहा है, जो पूरी तरह से असंवैधानिक और गलत है। सिब्बल ने मांग की कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्देश लिखित रूप में होने चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जोयमल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग के वकील को सख्त निर्देश दिए कि वे शनिवार तक अपना पक्ष स्पष्ट करें। मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई 19 जनवरी को तय की गई है। डोला सेन ने कोर्ट से 15 जनवरी की समयसीमा को आगे बढ़ाने की भी गुहार लगाई है, जो दावों और आपत्तियों को दर्ज करने की अंतिम तारीख है। याचिका में यह भी स्पष्ट किया गया है कि पश्चिम बंगाल में 16 दिसंबर को प्रकाशित ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल में 58 लाख से अधिक नाम काट दिए गए। आरोप है कि यह कार्रवाई बिना किसी व्यक्तिगत सुनवाई या पूर्व नोटिस के की गई है, जिससे वोटर्स की कुल संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गई है। याचिका में मांग की गई है कि पंचायत निवास प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर और स्थायी निवास प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों को वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने के लिए वैध माना जाए। याचिकाकर्ता को आशंका है कि दोषपूर्ण फाइनल रोल के तुरंत बाद बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है, जिससे लाखों योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित रह जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अब आयोग से इस पूरी प्रक्रिया और विसंगतियों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

सत्ता की पटरी पर लौटेगी कांग्रेस या दक्षिण में विस्तार करेगी बीजेपी? 2026 की सियासी अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति के लिहाज से साल 2026 बेहद अहम माना जा रहा है। यह साल जहां बीजेपी के लिए अपने राजनीतिक विस्तार और मौजूदा राज्यों में सत्ता बचाने की कसौटी बनने जा रहा, वहीं कांग्रेस के लिए दोबारा सियासी पटरी पर लौटने का बड़ा इम्तिहान होगा। इसके साथ ही वामदलों के सामने अपने आखिरी गढ़ को बचाने की चुनौती है और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के लिए भी सत्ता में बने रहना आसान नहीं होगा।

साल 2026 में पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव भी होने हैं। इन चुनावों के नतीजे न केवल राज्यों की राजनीति बल्कि राष्ट्रीय सियासी दिशा भी तय करेंगे। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया ब्लॉक-दोनों के सामने अलग-अलग लेकिन गंभीर चुनौतियां हैं। बीजेपी के सामने असम में सत्ता बरकरार रखने के साथ-साथ दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की चुनौती है। असम में लगातार तीसरी बार जीत की उम्मीद लगाए बीजेपी को इस बार कांग्रेस के मजबूत होते संगठन से कड़ी टक्कर मिल सकती है। पुडुचेरी में भी गठबंधन सरकार को दोहराना आसान नहीं माना जा रहा। वहीं केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में बीजेपी अब तक सीमित प्रभाव ही छोड़ पाई है। पश्चिम बंगाल में तमाम प्रयासों के बावजूद पार्टी अभी भी दूसरे नंबर पर है और ममता बनर्जी की मजबूत पकड़ उसके लिए बड़ी बाधा बनी हुई है।

कांग्रेस के लिए डगर है कठिन

कांग्रेस के लिए 2026 और भी कठिन माना जा रहा है। जिन पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें कांग्रेस सिर्फ तमिलनाडु में सत्ता गठबंधन का हिस्सा है। असम और केरल में उसे वापसी की उम्मीद है, लेकिन आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर असमंजस उसकी राह कठिन बना रहा है। केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ और वामपंथी एलडीएफ के बीच सीधा मुकाबला होगा, जहां लेफ्ट पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है।

वामदलों के लिए अस्तित्व की लड़ाई

वामदलों के लिए 2026 अस्तित्व की लड़ाई जैसा है। बंगाल और त्रिपुरा में सत्ता गंवाने के बाद अब केवल केरल ही उनका आखिरी मजबूत किला बचा है। यदि यहां भी हार मिली तो राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और सिमट सकती है।

वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को सत्ता विरोधी माहौल, बीजेपी के आक्रामक अभियान और कांग्रेस-लेफ्ट की चुनौती से जूझना होगा। तमिलनाडु में डीएमके की

स्थिति मजबूत दिखती है, लेकिन सत्ता विरोधी रुझान और विपक्षी गठजोड़ उसे सतर्क रहने को मजबूर कर रहे हैं।

कुल मिलाकर 2026 का चुनावी साल हर बड़े दल के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। अब देखना यह होगा कि कौन अपनी चुनौतियों पर खरा उतरता है और किसकी सियासी गाड़ी पटरी से उतरती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अलेप्पो में संघर्ष के बाद कुर्द लड़ाकों को निकाला गया

अलेप्पो , एजेंसी। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में कई दिनों से चल रही हिंसक झड़पों के बाद कुर्द लड़ाकों को एक विवादित इलाके से बाहर निकाल लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम संघर्ष को खत्म करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, बसों के जरिए शेख मकसूद इलाके से आखिरी कुर्द लड़ाकों को पूर्वोत्तर सीरिया भेजा गया, जो कुर्द नेतृत्व वाले बलों के नियंत्रण में है। कुर्द बलों के कमांडर मजलूम अब्दी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए युद्धविराम पर सहमति बनी और लड़ाकों, घायल लोगों व फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी की भी मांग की। मौके पर मौजूद पत्रकारों के अनुसार, करीब 360 लड़ाकों को बसों से ले जाया गया, जबकि इससे पहले नागरिकों को भी सुरक्षित निकाला गया था।

युद्धविराम के तीन महीने बाद भी गाजा में हिंसा, इस्राइली फायरिंग में तीन की मौत

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइली फायरिंग की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम तीन फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक अक्तूबर में हुए युद्धविराम के बाद भी हिंसा पूरी तरह थमी नहीं है और तनाव बना हुआ है। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि गाजा सिटी के तुफ्फाह इलाके में, जो फलस्तीनी नियंत्रण में है, एक व्यक्ति की मौत हुई। वहीं दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के पूर्व स्थित बनी सुहैला कस्बे में दो लोगों की जान गई, जहां अब भी इस्राइली मौजूदगी बताई गई है। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा पट्टी में उसके नियंत्रण वाले क्षेत्र में घुसने वाले एक आतंकी पर फायरिंग की गई, जो तत्काल खतरा पैदा कर रहा था। सेना के अनुसार, निशाना साधा गया। हालांकि, गाजा के दक्षिण में हुई घटना पर सेना की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई। अक्तूबर में हमास और इस्राइल के बीच युद्धविराम के बाद लड़ाई में कमी आई है, लेकिन घटनाएं पूरी तरह बंद नहीं हुई। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते के उल्लंघन के आरोप लगाते रहे हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, युद्धविराम के बाद से अब तक 440 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें अधिकांश नागरिक हैं।

पाकिस्तान : गैस सिलेंडर ब्लास्ट में नवविवाहित जोड़े सहित 8 की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार तड़के हुए गैस सिलेंडर विस्फोट में एक नवविवाहित जोड़े सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। यह हादसा सेक्टर जी-7/2 में एक घर में हुआ, जहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था। विस्फोट इतना तेज था कि घर ढह गया और आसपास के चार मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 19 लोगों को बाहर निकाला, जिनमें कई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में आपातकाल घोषित किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फटने की बात सामने आई है।

रूस में ड्रोन हमले में महिला की मौत, तीन घायल

वोरोनिश, एजेंसी। रूस के वोरोनिश शहर में शनिवार को यूक्रेन के ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। राज्यपाल अलेक्जेंडर गुसेव के अनुसार, हमला उस समय हुआ जब ड्रोन का मलबा एक घर पर गिरा। घायल तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही, इस हमले में 10 से अधिक अपार्टमेंट, निजी घर और एक हाई स्कूल क्षतिग्रस्त हुआ।

पाकिस्तान में 11 आतंकवादियों को बनाया निशाना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादियों को मार गिराया है। एक अभियान में टीटीपी से जुड़े आतंकी मारे गए। इसके अलावा, कुर्रम जिले में पुलिस-सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से एक अन्य अभियान में पांच आतंकवादी ढेर किए। वहीं, एक धार्मिक मदरसे के पास हुए भीषण धमाके में एक वरिष्ठ मौलवी की मौत हो गई।

इंडोनेशिया ने मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक पर लगाया प्रतिबंध

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार को एलन मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। इंडोनेशिया इस एआई टूल को ब्लॉक करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। सरकार ने यह कदम ग्रोक द्वारा तैयार की गई आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री के जोखिम के कारण उठाया है।

ट्रम्प बोले- ईरान 'रेडलाइन' पार कर रहा, अमेरिका के सामने कड़े विकल्प मौजूद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों को रोकने के लिए ईरान की कार्रवाई रेड लाइन पार कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका 'कड़े विकल्पों' पर विचार कर रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान में प्रदर्शनकारियों के साथ जो हो रहा है, उस पर अमेरिका की नजर है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान रेड लाइन पार कर चुका है, तो उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि वे ऐसा करने लगे हैं। ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका से संपर्क कर बातचीत का प्रस्ताव रखा है। बैठक तय करने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, हालात को देखते हुए उन्हें पहले कार्रवाई करनी पड़ सकती है, क्योंकि मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है और गिरफ्तारियां जारी हैं। ईरान में बीते दो हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इनमें अब तक 538 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10,600 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। न्यूज एजेंसी ने प्रदर्शनकारियों के हवाले से बताया कि मरने वालों में 490 प्रदर्शनकारी और 48 सुरक्षाकर्मी हैं।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- प्रदर्शनकारियों ने पुलिसवालों को जिंदा जलाया : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने प्रदर्शनकारियों पर पुलिसवालों को मारने और जिंदा जलाने का आरोप लगाया है। अराघची ने इसे इजराइली की खुफिया एजेंसी मोसाद की साजिश बताया। अराघची ने पुलिसवालों पर हमले का वीडियो भी शेयर किया है।

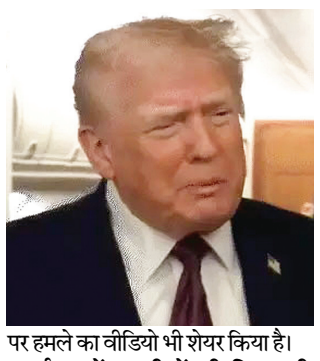

ईरान में भारतीयों की गिरफ्तारी की खबर झूठी : ईरान में प्रदर्शनों के बीच भारतीय नागरिकों की गिरफ्तारी की खबरों को ईरान ने खारिज कर दिया है। भारत में ईरान के राजदूत ने साफ कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही यह जानकारी पूरी तरह गलत है। राजदूत मोहम्मद फथाली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कुछ विदेशी अकाउंट्स द्वारा ईरान के हालात को लेकर फैलाई जा रही खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी भारतीय नागरिक की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अमेरिका में भी ईरानियों का प्रदर्शन, भीड़ में ट्रक घुसा : अमेरिका के लॉस एंजिलिस में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के दौरान हंगामा हो गया। एक तेज रफ्तार ट्रक प्रदर्शनकारियों की भीड़ के बीच से निकल गया, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसके बाद गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने ट्रक ड्राइवर पर हमला करने की कोशिश की। घटना रविवार दोपहर वेस्टवुड इलाके की वेटरन एवेन्यू पर हुई, जहां सैकड़ों लोग ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में मार्च कर रहे थे। ट्रक के गुजरते ही कई प्रदर्शनकारी उसके पीछे दौड़े और ड्राइवर को रोकने की कोशिश की।

पुलिस के मुताबिक, ट्रक को कुछ ही ब्लॉक आगे जाकर रोका गया। तब तक ट्रक की खिड़की और साइड मिरर टूट चुके थे। प्रदर्शनकारी ड्राइवर पर मुक्के बरसाने और झंडों के डंडे ट्रक के अंदर घुसाने की कोशिश कर रहे थे।

ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी : प्रदर्शनों के बीच ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उस पर हमला किया तो वह अमेरिकी सैनिकों और इजराइल को निशाना बनाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागर गालीबाफ ने रविवार को कहा कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो इलाके में मौजूद सभी अमेरिकी मिलिट्री बेस, शिप्स और इजरायल हमारे टारगेट पर होंगे। यह बयान संसद के लाइव सत्र के दौरान दिया गया, जहां सांसद 'डेथ टू अमेरिका' के नारे लगा रहे थे। कालीबाफ ने ईरान की सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हालात में मजबूती से काम किया है। प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी कि गिरफ्तार किए गए लोगों से सबसे सख्त तरीके से निपटा जाएगा और उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

ट्रम्प को ईरान पर हमले का प्लान बताया गया : ईरान में जारी प्रदर्शन के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान पर संभावित सैन्य हमलों के विकल्पों की ब्रीफिंग दी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान सरकार प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करती है तो ट्रम्प सैन्य कदम उठाने पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है। ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा, 'ईरान आजादी की ओर देख रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। अमेरिका मदद के लिए तैयार है।' वहीं, ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बागर गालीबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका या इजराइल ने ईरान पर हमला किया तो दोनों को सख्ती से जवाब देंगे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने रविवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल ईरान में दंगे भड़काकर अराजकता और अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं। उन्होंने ईरानियों से दंगाइयों और आतंकवादियों से दूर रहने को कहा। पजशकियान का कहना है कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे। लेकिन दंगाइयों की नहीं, जो पूरे समाज को तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं। पजशकियान ने कहा, 'हम लोगों की समस्या का समाधान करेंगे, लेकिन दंगाइयों को पूरे समाज को खत्म करने की इजाजत नहीं दे सकते।

तीन हफ्तों में दूसरी बार न्यूजीलैंड के टौरंगा में सिख नगर कीर्तन का विरोध

टौरंगा, एजेंसी। न्यूजीलैंड के टौरंगा शहर में रविवार को सिख समुदाय के वार्षिक नगर कीर्तन के रास्ते में स्थानीय राइट-विंग धार्मिक समूह के लोगों ने फिर से दखल दिया। यह तीन हफ्तों में दूसरी बार है जब इस तरह का विरोध देखा गया है। नगर कीर्तन सुबह 11 बजे गुरुद्वारा सिख संगत मंदिर से शुरू हुआ और कैमरन रोड से टौरंगा बॉयज कॉलेज की ओर बढ़ा। पुलिस ने पहले से सुरक्षा बढ़ा रखी थी क्योंकि पिछले कुछ समय में इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं।

बता दें कि प्रदर्शन करने वाले समूह जो पेंटेकोस्टल नेता ब्रायन तमाकी के डेस्टिनी चर्च से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस समूह के लोगों ने कीर्तन के सामने मैओरी हाका नामक पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन किया और यह न्यूजीलैंड है, भारत नहीं, जैसे नारों वाले बैनर दिखाए। हालांकि कोई बड़ी हिंसा नहीं हुई और पुलिस तथा कीर्तन के स्वयंसेवकों की संयुक्त मदद से यह कार्यक्रम शांति से पूरा हो गया।

तमाकी ने सोशल मीडिया पर भी किया पोस्ट : इस विरोध प्रदर्शन को लेकर तमाकी ने सोशल मीडिया पर खुद एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने इस प्रदर्शन को शांति पूर्ण बताया। साथ ही वीडियो के कैप्सन में लिखा कि किसकी सड़के? कीवी की सड़के! हालांकि दूसरी ओर शिरोमणि गुरुद्वारा परबंधक समिति (एसजीपीसी) ने इस विरोध की कड़ी निंदा की है।

एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने कहा कि नगर कीर्तन सिख धर्म का पवित्र और शांतिपूर्ण प्रतीक है, और इसे रोकने की कोशिश धार्मिक आजादी तथा सामाजिक सद्भाव को चुनौती देना है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय हमेशा स्थानीय कानून और संस्कृति का सम्मान करता रहा है, लेकिन ऐसे व्यवस्थित विरोध ने समुदाय को गहरा दुख पहुंचाया है।

न्यूजीलैंड और भारत सरकार से कार्रवाई की अपील : एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने इस विरोध प्रदर्शन को लेकर न्यूजीलैंड तथा भारत सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। गौतरलब है कि यह दूसरी बार है जब नगर कीर्तन का विरोध हुआ है। इससे पहले लगभग तीन हफ्ते पहले भी ऑकलैंड में एक नगर कीर्तन को इसी समूह के विरोध का सामना करना पड़ा था, जिससे स्थानीय सिख समुदाय में तनाव बढ़ गया था और पंजाब के मुख्यमंत्री व एसजीपीसी समेत कई धार्मिक व राजनीतिक नेताओं ने उस घटना की भी निंदा की थी।

मार्को रुबियो बनेंगे 'क्यूबा के राष्ट्रपति'?

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- यह सुनने में अच्छा लग रहा है...

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के रिश्तों में एक बार फिर तीखापन नजर आ रहा है। लैटिन अमेरिका में बदलते समीकरणों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने जहां क्यूबा को अमेरिका के साथ डील करने की खुली चेतावनी दी, वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो को क्यूबा का राष्ट्रपति बनाने के सुझाव पर सहमति जताकर सियासी हलचल बढ़ा दी। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 'क्यूबा के राष्ट्रपति' बनते हैं तो यह विचार उन्हें अच्छा लगता है। साथ ही उन्होंने क्यूबा को चेतावनी दी कि बहुत देर होने से पहले अमेरिका के साथ समझौता कर ले।

सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा यह मामला : ट्रंप ने यह टिप्पणी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए की। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा था, 'मार्को रुबियो क्यूबा के राष्ट्रपति होंगे'। ट्रंप ने इसे शेयर करते हुए लिखा, 'यह सुनने में अच्छा लग रहा है। हालांकि अपने बड़बोलेपन के लिए प्रसिद्ध आए दिन कई ऐसे दावे सोशल मीडिया पर करते रहते हैं।

अमेरिका की क्यूबा को चेतावनी- समझौता करो वरना तेल के पैसे बंद : इसके साथ ही ट्रंप ने रविवार को क्यूबा को कड़ा संदेश भेजा है कि अगर वह संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तो अब वेनेजुएला से तेल और आर्थिक मदद बंद कर दी जाएगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि वेनेजुएला ने वर्षों तक क्यूबा को तेल और पैसा देकर सहारा दिया, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई तेल या पैसा क्यूबा को नहीं मिलेगा, शून्य और कहा कि क्यूबा को समझौता करना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। ट्रंप ने आरोप लगाया कि क्यूबा ने वेनेजुएला को सुरक्षा सेवाएं दी थीं, लेकिन अब वेनेजेला को संरक्षण के लिए अमेरिका की मदद की जरूरत है। इससे पहले अमेरिका ने वेनेजुएला में अपने कदम बढ़ाए हैं और वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण की कोशिश की है। गौरतलब है कि क्यूबा लंबे समय से वेनेजुएला के तेल पर निर्भर रहा है।

'किसी भी तरह से ग्रीनलैंड को हासिल करेंगे', ट्रंप की फिर दो टूक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड को लेकर अपनी मंशा जगजाहिर कर चुके हैं। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को लेकर धमकी भरे लहजे में बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच एक बार फिर ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि वह ऐसा होने नहीं देंगे और 'किसी भी तरह' ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बनेगा। ट्रंप ने दो टूक बयान देते हुए कहा कि हम ग्रीनलैंड को किसी भी कीमत पर हासिल करेंगे। साथ ही उन्होंने नाटो को भी निशाने पर लिया है।

अब ग्रीनलैंड पर क्या बोले राष्ट्रपति ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने अब कहा कि अगर हम ग्रीनलैंड नहीं लेते हैं, तो रूस या चीन ग्रीनलैंड ले लेंगे। और मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। मुझे उनके (ग्रीनलैंड के साथ) एक डील करना पसंद आएगा। यह आसान है। लेकिन किसी भी तरह से, हम ग्रीनलैंड लेने वाले हैं।

ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। ग्रीनलैंड रणनीतिक रूप से बेहद अहम क्षेत्र माना जाता है, जहां प्राकृतिक संसाधनों के साथ-साथ आर्कटिक क्षेत्र में सैन्य और भू-राजनीतिक संतुलन भी जुड़ा हुआ है। इसी के साथ ट्रंप ने नाटो को लेकर भी अपनी सख्त प्रतिक्रिया दी।

नाटो पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि नाटो को बचाने वाले वही हैं। उन्होंने कहा कि मैंने सदस्य देशों को उनके रक्षा बजट पर खर्च करने के लिए मजबूर किया। पहले वे जीडीपी का सिर्फ 2 प्रतिशत भी नहीं देते थे, अब वे 5 प्रतिशत तक भुगतान कर रहे हैं। अगर मैं राष्ट्रपति नहीं होता, तो शायद आज नाटो ही नहीं होता।' ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया कि जरूरत पड़ने पर क्या नाटो देश अमेरिका के साथ खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने नाटो पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन बदले में भरोसे की कोई गारंटी नहीं है। साथ ही उन्होंने यह संकेत भी दिया कि अगर अमेरिका नाटो से बाहर निकलता है, तो इससे नाटो को आर्थिक नुकसान होगा।

नाटो को भी दिखाया ट्रंप ने आईना : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैंने ही उन्हें जीडीपी का 5.5% हिस्सा देने के लिए राजी किया। पहले यह 2 फीसदी था, और वे नहीं देते थे। अब वे 5 प्रतिशत दे रहे हैं। नाटो को बचाने वाला मैं ही हूं। अगर मैं राष्ट्रपति नहीं होता तो नाटो होता ही नहीं। हो सकता है नाटो नाराज हो जाए अगर मैं ऐसा करूं (अगर मैं अमेरिका को नाटो से बाहर निकाल लूं)। हो सकता है नाटो से बहुत सारा पैसा बच जाए। मुझे नाटो पसंद है। मैं बस सोचता हूं कि अगर हमें नाटो की जरूरत पड़ी, तो क्या वे हमारे लिए मौजूद रहेंगे? मुझे यकीन नहीं है कि वे होंगे। हमने नाटो पर बहुत पैसा खर्च किया है।'

वेनेजुएला पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान: खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई कर और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर पूरी दुनिया में भूचाल ला गया था। वहीं अब वेनेजुएला से जुड़ा एक पोस्ट कर नई सनसनी फैला दी है। अपने ट्रूथ सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट कर ट्रंप ने खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया है, उन्होंने इससे जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की है।

खुद को 'वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति' बताया : डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने खुद को 'वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति' बताया है। ट्रूथ सोशल पर साझा की गई इस पोस्ट में वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रमों के बाद ट्रंप को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में दर्शाने वाली एक डिजिटल रूप से संपादित तस्वीर दिखाई गई है। यह तस्वीर ऐसे वक्त पर साझा की गई है, जब ट्रंप लगातार वेनेजुएला के तेल भंडार को लेकर तेल कंपनियों के साथ बैठक कर रहे हैं और लगातार ईरान-ग्रीनलैंड पर धमकी भरे लहजे में बयानबाजी कर रहे हैं।

अमेरिका का वेनेजुएला पर शासन! : विकिपीडिया की संपादित तस्वीर में डोनाल्ड ट्रंप को जनवरी 2026 तक वेनेजुएला के वर्तमान राष्ट्रपति के रूप में दर्शाया गया। बता दें कि वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप ने यह भी दावा किया कि है जब तक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक अमेरिका वेनेजुएला सरकार का 'संचालन' करेगा।

तेल कंपनियों को ट्रंप की दो टूक : बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दुनिया की दिग्गज तेल-गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने साफ कर दिया कि वेनेजुएला में निवेश अब सीधे अमेरिका के साथ होगा, ना कि वेनेजुएला सरकार के साथ। ट्रंप ने सुरक्षा की गारंटी देते हुए तेल उद्योग को बड़े निवेश के लिए खुला न्योता दिया। ट्रंप ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका ने समय रहते कार्रवाई नहीं की होती, तो चीन या रूस वेनेजुएला में अपनी मजबूत मौजूदगी बना चुके होते।

अमेरिका वेनेजुएला में क्या करना चाहता है : अमेरिका चाहता है कि उसकी तेल कंपनियां वेनेजुएला में निवेश करें। तेल उत्पादन और बुनियादी ढांचे को दोबारा खड़ा किया जाए। वेनेजुएला के तेल की वैश्विक बिक्री पर अमेरिका की पकड़ बनी रहे। ट्रंप प्रशासन इसे आर्थिक पुनर्निर्माण का रास्ता बता रहा है।

नेपाल में चुनाव से पहले फिर राजा की वापसी की मांग क्यों?

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आम चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्म हो गया है। राजधानी काठमांडो में रविवार को राजशाही समर्थकों ने रैली निकालकर राजा की बहाली की मांग की। यह रैली जेन-जी आंदोलन के बाद अपदस्थ राजा ज्ञानेंद्र विक्रम शाही के समर्थकों की पहली बड़ी सार्वजनिक मौजूदगी मानी जा रही है। मार्च में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले इस प्रदर्शन ने नई बहस छेड़ दी है। राजशाही समर्थकों का कहना है कि जेन-जी आंदोलन और उसके बाद बने हालात ने देश को अस्थिर कर दिया है। सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद अंतरिम सरकार बनी और अब मार्च में चुनाव प्रस्तावित हैं। इसी बीच राजशाही समर्थक सड़कों पर उतरे और दावा किया कि मौजूदा व्यवस्था देश को स्थिरता नहीं दे पा रही है। प्रदर्शन में क्या नारे लगे? रैली में शामिल लोग हम अपने राजा से प्यार करते हैं और राजा को वापस लाओ जैसे नारे लगाते दिखे। प्रदर्शनकारी 18वीं सदी में शाह वंश की नींव रखने वाले पृथ्वी नारायण शाह की मूर्ति के आसपास एकत्र हुए। रविवार को पृथ्वी नारायण शाह की जयंती भी थी, जिसे रैली के लिए प्रतीकात्मक दिन माना गया। राजशाही समर्थक क्या दलील दे रहे हैं? प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राजशाही ही देश के लिए आखिरी विकल्प है। जेन-जी आंदोलन के बाद हालात संभालने में सरकार नाकाम रही है। राजनीतिक अस्थिरता और अव्यवस्था बढ़ी है। राजा की वापसी से देश में एकता आएगी। गणतंत्र व्यवस्था से लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। भारत पहुंचे जर्मनी के चांसलरः पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात, 52 हजार करोड़ के पनडुब्बी सौदे पर लग सकती है मुहर पिछला अनुभव और सुरक्षा इंतजाम कैसे रहे? पिछले वर्षों में ऐसी रैलियों के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुई थीं और हिंसा भी देखी गई थी। इस बार हालांकि रैली शांतिपूर्ण रही। इसके बावजूद दंगा रोधी पुलिस को तैनात रखा गया और पूरे कार्यक्रम पर कड़ी नजर रखी गई। प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क दिखा। नेपाल में राजशाही कब खत्म हुई? नेपाल में 2008 में राजशाही खत्म कर देश को गणतंत्र घोषित किया गया था। अंतिम शाह राजा ज्ञानेंद्र को गद्दी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। अब एक बार फिर राजशाही की मांग उठने से चुनावी राजनीति पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। जानकारों का मानना है कि आने वाले चुनावों में यह मुद्दा बड़ा राजनीतिक हथियार बन सकता है।

'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करे ईरान सरकार'; यूएन महासचिव गुटेरेस की सख्त अपील

जिनेवा, एजेंसी। ईरान में लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरानी सरकार से सख्त लेकिन संवेदनशील अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार को हालात संभालते समय अधिकतम संयम बरतना चाहिए और जनता के अभिव्यक्ति, संगठन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों का पूरी तरह सम्मान करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब बीते 15 दिनों में ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 420 लोगों की मौत की खबरें सामने आई हैं। इनमें आठ मासूम बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी मानवाधिकार कार्यकर्ता इन ईरान (एचआरए) ने दी है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी रिपोर्ट किया है।

अनावश्यक बल प्रयोग से बचें- गुटेरेस : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने बयान में गुटेरेस ने कहा कि वे ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और अत्यधिक बल प्रयोग की खबरों से स्तब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अनावश्यक या असमानुपातिक बल का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि ईरान में सूचना तक पहुंच बहाल की जाए, खासकर संचार सेवाओं को फिर से शुरू किया जाए ताकि लोग सच्चाई तक पहुंच सकें।

इजरायल का समर्थन, नेतन्याहू का बयान : इस बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ईरान की स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ईरान में हो रहे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है और ईरानी नागरिकों की बहादुरी को पूरा विश्व देख रहा है।

कैसे शुरू हुए प्रदर्शन : गौरतलब है कि ये विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुए थे, लेकिन जल्द ही ये देशव्यापी आंदोलन में बदल गए। कई शहरों में झड़पें,

गिरफ्तारियां और सख्त सरकारी कार्रवाई देखने को मिली। मानवाधिकार संगठनों ने लगातार मौतों की संख्या और प्रदर्शनकारियों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता जताई है। वहीं, ईरानी सरकार का कहना है कि यह सब विदेशी हस्तक्षेप और दंगाइयों की वजह से हो रहा है।

सख्त कार्रवाई की चेतावनी : ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। उनके अनुसार, सभी आरोपियों के खिलाफ एक जैसे आरोप होंगे और सख्त सजा दी जाएगी।

मशहूर रॉकस्टार बॉब वियर का 78 की उम्र में निधन : वाशिंगटन, एजेंसी। मशहूर रॉकस्टार और अमेरिकी रॉक बैंड द ग्रेटफुल डेड के सह-संस्थापक, गायक बॉब वियर का 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर बताया कि वियर लंबे समय से कैंसर और फेफड़ों की समस्याओं से जूझ रहे थे। वह अपने अंतिम क्षण में अपनों के बीच थे। छह दशकों के अपने संगीत सफर में वियर ने अमेरिकी संगीत को एक नई पहचान दी।

इक्वाडोर के एक बीच पर इंसानी सिर लटके मिले : क्विटो , एजेंसी। पुलिस ने रविवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिमी इक्वाडोर के एक बीच पर रस्सियों से पांच इंसानी सिर लटके मिले, क्योंकि देश ड्रग तस्करी से जुड़ी हिंसा की लहर से जूझ रहा है। इक्वाडोर के मीडिया आउटलेट्स द्वारा पब्लिश की गई तस्वीरों में खूनी मंजर दिख रहा था। सिरों के पास प्यूर्टो लोपेज़ के छोटे मछली पकड़ने वाले बंदरगाह में मछुआरों से कथित तौर पर जबरन वसूली करने वालों के लिए एक चेतावनी का साइन लगा था। रस्सियां बीच पर लकड़ी के खंभों से बंधी थीं। एक पुलिस रिपोर्ट में इस घटना का कारण आपराधिक गिरोहों के बीच संघर्ष बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कार्टेल से जुड़े ड्रग तस्करी नेटवर्क इस इलाके में एक्टिव हैं और उन्होंने अपनी गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए मछुआरों और उनकी छोटी नावों का इस्तेमाल किया है। इलाके और ड्रग तस्करी के रास्तों पर कंट्रोल के लिए विवाद ने मनाबी प्रांत में हिंसक घटनाओं को जन्म दिया है, जहां प्यूर्टो लोपेज स्थित है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जल्द ही राहुल गांधी करेंगे राममंदिर में रामलला के दर्शन, संतों ने दी प्रतिक्रियाएं

पुनिया ने अभी तक राहुल गांधी के राम मंदिर ना आने के सवाल का दिया जवाब

बाराबंकी, ।

राहुल गांधी जल्द ही राम मंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने इस बात का ऐलान किया है। पुनिया ने अभी तक राहुल के राम मंदिर ना आने के सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जल्द ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी राम मंदिर जाएंगे। अब मंदिर का ध्वज भी लग गया। अब राम मंदिर बन कर पूरा हो चुका है। अधूरे राम मंदिर में कोई पूजा करने नहीं जाता। अब राहुल गांधी अयोध्या राम मंदिर दर्शन करेंगे। दरअसल, 23 जनवरी को 32 सदस्यीय संसदीय समिति अयोध्या के दौरे पर पहुंचेगी। इस समिति में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भी शामिल हैं। समिति के अयोध्या आगमन और राहुल गांधी के रामलला के दर्शन को लेकर सियासी और धार्मिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। पुनिया ने इस मुद्दे पर बयान देते हुए कहा है कि अब जब राम मंदिर का निर्माण पूर्ण हो चुका है और मंदिर में ध्वजारोहण भी हो गया है, ऐसे में राहुल गांधी रामलला के दर्शन करेंगे।

बता दें बीते सालों में जब राम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था, तब मंदिर पूरी तरह तैयार नहीं था। अब निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद राहुल गांधी के अयोध्या आगमन और रामलला दर्शन की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले 2016 में भी राहुल गांधी अयोध्या आए थे, तब उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन किए थे और संतों से आशीर्वाद लिया था, लेकिन रामलला के दर्शन नहीं किए थे।

इस बीच राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से भी राहुल गांधी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रण दिया गया था। अब एक बार फिर उनके अयोध्या आने को लेकर संत समाज की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने राहुल गांधी के संभावित दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कालनेमियों को चलो अब सद्बुद्धि आई

है। जो लोग भगवान श्रीराम को काल्पनिक बताते थे, जिन्होंने राम मंदिर के विरोध में बड़े-बड़े वकील खड़े किए थे, आज वही लोग रामलला के दर्शन की बात कर रहे हैं। राम के शरण में सभी का स्वागत है, हम भी माला पहनाकर स्वागत करेंगे। वहीं महंत राजू दास ने कहा कि राहुल गांधी को अपने उन सहयोगी दलों से भी जवाब मांगना चाहिए, जो सनातन धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते रहे हैं और सनातन की तुलना कोरोना, डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2016 में भी राहुल गांधी के अयोध्या आगमन पर संतों ने उनका स्वागत किया था और उनसे विपक्ष में रहते हुए राम मंदिर के पक्ष में आवाज उठाने का आग्रह किया था।

वहीं जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने राहुल गांधी के रामलला दर्शन को लेकर स्वागत के साथ-साथ सवाल भी खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि राम की शरण में कभी भी, कोई भी आ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

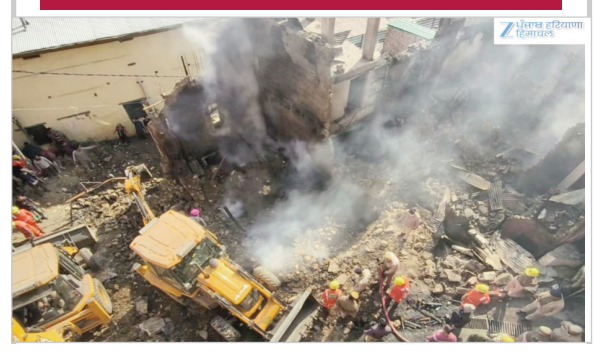

हिमाचल के अर्की बाजार में भीषण अग्निकांड, 7 लोग अब भी लापता

सोलन ।

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के अर्की बाजार में रविवार रात लगभग तीन बजे एक रिहायशी मकान में भयंकर आग लग गई। मकान की ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर दुकानें थीं, जबकि दूसरी और तीसरी मंजिल पर नेपाल और बिहार के मजदूर रहते थे। आग तेजी से फैलने के कारण 7 परिवारों को तो सुरक्षित बाहर निकाला गया, लेकिन दो नेपाली परिवार और अन्य लोग मलबे में फंस गए। मलबे में अब भी 7 से अधिक लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बचाव दल में एसडीआरएफ, पुलिस, होमगार्ड और अब एनडीआरएफ टीम भी शामिल हो गई है। सर्च ऑपरेशन में खोजी कुत्तों और जेसीबी मशीनों की मदद ली जा रही है। अर्की के एसडीएम ने बताया कि मलबे में मिले शवों के अवशेषों की पहचान फिलहाल संभव नहीं है और मृतकों की पुष्टि डीएनए जांच के बाद ही की जा सकेगी। इस हादसे में दो परिवारों के 5 बच्चे, 2 महिलाएं और 2 पुरुष मलबे में दब गए थे। अब तक बिहार के रहने वाले 8 वर्षीय प्रशांत का शव बरामद किया गया है। शेष लोगों की तलाश जारी है। बचाव दल को मलबे के बीच क्षत-विक्षत शव मिलने के कारण पहचान में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

ईरान ने 6 भारतीयों को गिरफ्तार करने के पाक के दावे को किया ख़ारिज

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान झूठ फैलाने की अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा है। इस बार उसकी पोल ईरान ने खोली है। भारत में ईरान के राजदूत ने पाकिस्तान के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें वो कह रहा था कि ईरान ने 6 भारतीयों को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान ने दावा किया था है कि भारतीयों के साथ-साथ ईरान ने 10 अफगान नागरिकों को भी गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान के इन फर्जी दावों को लेकर भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने एक सोशल मीडिया पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि ईरान के घटनाक्रम को लेकर कुछ विदेशी एक्स अकाउंट्स पर प्रसारित खबरें पूरी तरह से झूठी हैं। मैं सभी इच्छुक लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे अपनी खबरें विश्वसनीय स्रोतों से हासिल करें।

भारत-जर्मनी रिश्तों को नई ऊँचाई देकर चांसलर फ्रेडरिक मर्ज गुजरात से रवाना

अहमदबाद

फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत-गुजरात यात्रा मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मर्ज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ विभिन्न सांस्कृतिक और रणनीतिक कार्यक्रमों में तथा भारत-जर्मन सीईओ फोरम में सहभागिता करने के बाद मंगलवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे से जर्मनी के लिए प्रस्थान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संग संवाद के बाद जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज आज अहमदाबाद से रवाना हो गओ7 राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित महानुभावों ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर भावपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव एम. के. दास, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की अपर मुख्य सचिव डॉ. अंजू शर्मा, शहर पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक, मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी ज्वलंत त्रिवेदी, जिला कलेक्टर सुजीत कुमार, विदेश मंत्रालय (एमईए) के अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या पर बीजेपी ने ममता को घेरा

नई दिल्ली

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या हुई है। यह घटना फेनी जिले के डागनभुइयां उपजिले में हुई। 27 साल के ऑटो-रिक्शा ड्राइवर समीर दास का शव जगतपुर गांव के एक खेत से बरामद किया गया है। बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या के बाद बीजेपी ने घटना की आलोचना की है। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर एक और लक्षित हमले में फेनी के डागनभुइयां में समीर कुमार दास की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उनका ऑटो-रिक्शा भी लूट लिया। उन्होंने लिखा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अल्पसंख्यकों को परेशान करने वालों पर लगाम लगाने की कोई कोशिश नहीं की है। सत्ता में बैठे व्यक्ति ने इन टारगेटेड हमलों को मनगढ़ंत कहानी बताकर खारिज कर दिया है। यह संदेश डरावना है कि अल्पसंख्यक लोगों की जिंदगी मायने नहीं रखती। इस घटना के बाद अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर भी निशाना साधा और कहा कि अगर ममता बनर्जी 2026 में कभी सत्ता में वापस आती हैं, तो पश्चिम बंगाल के हिंदू बंगालियों को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह और भी बुरा होगा। हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास के खून के धब्बे अभी सूखे भी नहीं हैं। कभी मत भूलो, कभी माफ मत करो।

भ्रष्टाचार रोधी अधिनियम की धारा 17ए को लेकर बटी बेंच, नहीं हो सका फैसला

अब मामला सीजेआई के सामने रखा जाएगा, सुनवाई के लिए बड़ी बेंच का होगा गठन

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को भ्रष्टाचार रोधी कानून पर लंबी बहस हुई। इस दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना ने भ्रष्टाचार रोधी अधिनियम की धारा 17ए को रद्द करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह धारा असंवैधानिक है, इसे निरस्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी भ्रष्टाचार के मामले में अथॉरिटी से मंजूरी लेने की बाध्यता भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने वाली है। इससे भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई करने में देरी होती है। ऐसी स्थिति ठीक नहीं है। हालांकि इस मामले की सुनवाई में बेंच ही बंटी नजर आई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेंच में शामिल दूसरे जज केवी विश्वनाथन ने कहा कि धारा 17ए जरूरी है। इससे ईमानदार अधिकारियों को बचाने में मदद मिलती है। इस तरह बेंच का फैसला बंटा हुआ आया। अब इस मामले को सीजेआई सूर्यकांत के सामने रखा जाएगा। वह इस मामले की सुनवाई के लिए एक बड़ी बेंच का गठन करेंगे। उस बेंच की ओर से आने वाला फैसला ही अंतिम होगा। यह बेंच दो ही जजों की थी और उनकी राय अलग होने पर कोई फैसला नहीं आ सका। दरअसल भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 में नई धारा 17ए को 2018 में जोड़ा गया था। तब बताया गया था कि इसका उद्देश्य है कि अनावश्यक मामलों को रोका जाए और ईमानदार अधिकारियों को बेवजह कानूनी मसलों में फंसने से बचाया जाए। इसे ईमानदार अधिकारियों के लिए एक सुरक्षा कवच बताया था। हालांकि अब इस धारा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस मामले में अंतिम फैसला क्या आता है। इस पर सभी की नजर है। बता दें जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सुनवाई के दौरान बेहद सख्त लहजे में कहा कि यह सेक्शन ही असंवैधानिक है और इसे निरस्त करने की जरूरत है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करेंगी

नई दिल्ली ।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को पुष्टि की कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करेंगी। इस बार बजट रविवार के दिन पेश किया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि वित्त मंत्री 1 फरवरी को सुबह 11 बजे निचले सदन में बजट पेश करना शुरू करेंगी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा।

बजट पेश करने की सामान्य तारीख 1 फरवरी इस वर्ष रविवार को पड़ रही है।

इसलिए सटीक तारीख को लेकर कुछ अनिश्चितता थी। लोकसभा अध्यक्ष ने अब इस मुद्दे को स्पष्ट कर दिया है। इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि बजट सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से शुरू होगा और 13 फरवरी को समाप्त होगा। संसद दूसरे चरण के लिए 9 मार्च को पुनः एकत्रित होगी और 2 अप्रैल तक चलेगी। मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों को 2026 के बजट सत्र के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है।

बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण 29 जनवरी को संसद की बैठक नहीं होगी, जबकि दोनों सदनों की बैठक 30 जनवरी को होगी।

इस दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किए जाने की संभावना है।

केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश होने से एक दिन पहले, शनिवार 31 जनवरी को भी संसद की बैठक नहीं होगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर विचार-विमर्श और बजट पर चर्चा के बाद संसद 13 फरवरी को लगभग एक महीने के अवकाश के लिए स्थगित हो जाएगी। सत्र 9 मार्च को फिर से शुरू होगा और 2 अप्रैल को समाप्त होने की संभावना है।

पतंग लूटते समय 11,000 वोल्ट की लाइन से झटका लगा, किशोर गंभीर रूप से घायल

नागपुर, ।

महाराष्ट्र के नागपुर जिले के कामठी रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसा हुआ। 13 साल के लकी नामक किशोर पतंग के पीछे भागते हुए ट्रेन की छत पर चढ़ गया और 11,000 वोल्ट की हाई वोल्टेज ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन (ओएचई) के संपर्क में आ गया। जानकारी के अनुसार, लकी की पतंग स्टेशन पर खड़ी कोयले से भरी मालगाड़ी पर फंस गई थी। पंतग को वापस पाने के लिए लकी ने खतरनाक कदम उठाया और ट्रेन के डिब्बे पर चढ़ने की कोशिश की। इस दौरान आरपीएफ के एक जवान ने लकी को रोकने की कोशिश कर रहा था, लेकिन किशोर ने नहीं सुनी। जैसे ही किशोर ने पतंग की डोर खींचने की कोशिश की, वह उच्च वोल्टेज लाइन के संपर्क में आ गया और किशोर को जोरदार झटका लगा। झटके के बाद वह ट्रेन के डिब्बे पर गिर पड़ा। तभी रेलवे कर्मचारी और आरपीएफ कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। सबसे पहले बिजली की सप्लाई बंद की गई और लकी को सुरक्षित तरीके से नीचे उतारा गया। इसके तुरंत नागपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत गंभीर है और विशेषज्ञों की देखरेख की आवश्यकता है।

आरपीएफ अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे बच्चों को रेलवे क्षेत्रों में सुरक्षित रहने की शिक्षा दें और पतंग उड़ाने या खेल के दौरान किसी भी खतरनाक गतिविधि से बचें।

नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत, यौन उत्पीड़न की पुष्टि अभी नहीं

परिजनों ने हॉस्टल मालिक, पुलिस और डॉक्टरों पर मामला दबाने का आरोप लगाया

पटना, ।

बिहार की राजधानी पटना के मुन्ना चौक इलाके से दुखद घटना सामने आई है, जहां नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा का संदिग्ध हालात में निधन हुआ है। मृतका जहानाबाद जिले की निवासी थी और राजधानी के मुन्ना चौक स्थित हॉस्टल में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। सोमवार को उसका शव हॉस्टल में पाया गया, जिस पर सिर और शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए। घटना के बाद परिजनों और लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। परिजन और प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है, इस पुलिस और हॉस्टल प्रशासन छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हॉस्टल मालिक, पुलिस और डॉक्टरों पर मिलकर रेप और हत्या का मामला दबाने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कारगिल चौक जाम कर दिया, जिससे शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात घंटों तक ठप रहा। वहीं पटना पुलिस ने प्रारंभिक जांच में बताया कि लड़की के यूरिन टेस्ट में नींद की गोलियों का पता चला है, लेकिन यौन उत्पीड़न की पुष्टि अभी नहीं हुई है। इस बीच, परिजनों ने पोस्टमार्टम प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग कराने की मांग की, परिजनों की इस बात को बाद में मान लिया गया। पोस्टमार्टम की देखरेख के लिए एक मेडिकल बोर्ड बनाया गया, और इसके बाद परिवार ने सड़क जाम हटा दिया।

सदर एएसपी अभिनव कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम पूरी तरह रिकॉर्ड की गई और प्रारंभिक सबूत आत्महत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। हालांकि, पुलिस अंतिम रिपोर्ट आने तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहती। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने और इलाके को खाली कराने के लिए हल्का बल भी इस्तेमाल किया गया।

इस घटना ने पटना में तनाव बढ़ा दिया है और छात्राओं की सुरक्षा, हॉस्टल प्रशासन की जिम्मेदारी और पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। मामले की जांच अभी जारी है और अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही स्पष्ट निष्कर्ष सामने आएगा।

शराब के लिए नहीं दिए पैसे.....शराबी बेटे ने 79 वर्षीय पिता पर जानलेवा हमला किया

मुंबई, ।

मुंबई के कुर्ला से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ शराब के लिए पैसे न देने पर एक कलयुगी बेटे ने अपने 79 वर्षीय पिता पर जानलेवा हमला किया। यह घटना कुर्ला पश्चिम के जरीमरी इलाके की है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित मोहम्मद याकूब सिद्दीकी चौधरी (79) रात का खाना खाने के बाद नमाज अदा करने मस्जिद जा रहे थे। रास्ते में उनका 42 वर्षीय बेटा, मोहम्मद शाहिद, जो नशे में धुत था, उन्हें रोककर शराब और खाने के लिए पैसों की मांग करने लगा। जब पिता ने पैसे देने से इंकार किया, तब आरोपी गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो गया। हाथापाई के दौरान बुजुर्ग पिता

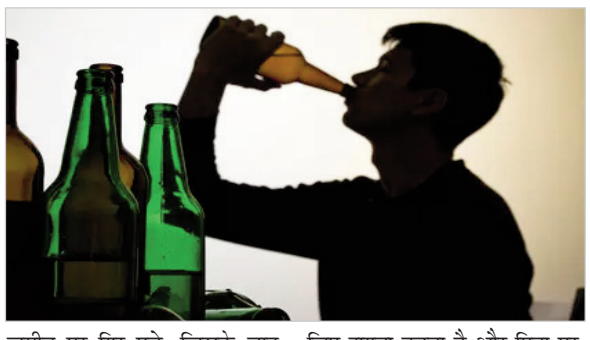

जमीन पर गिर पड़े, जिसके बाद आरोपी बेटे ने पास पड़ा एक भारी पत्थर उठाकर उनके कान पर दे मारा। हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल होकर बेसुध हो गए। बीच-बचाव करने आए एक स्थानीय दुकानदार को भी आरोपी ने धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा लंबे समय से शराब का आदी है। वह अक्सर पैसों के लिए झगड़ा करता है और पिता पर अपना मकान और दुकान बेचने का दबाव बना रहा था। घायल बुजुर्ग को तत्काल घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनके कान पर टांके लगाए गए हैं।

साकीनाका पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश जारी है।

अगर कुत्ते के काटने से कोई मौत या घायल होता है तो सरकार पर होगा मुआवजा तय

-सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई करते हुए की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, ।

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर मंगलवार को अहम टिप्पणी की। बेंच ने चेतावनी दी कि अगर किसी कुत्ते के काटने से कोई मौत होती है या कोई घायल होता हैं, तो राज्य सरकार पर हर ऐसे मामले के लिए मुआवजा तय किया जाएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ नहीं किया। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जो लोग कुत्तों को खाना खिलाने का दावा करते हैं, उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। बेंच ने पूछा कि अगर आप कुत्तों को इतना चाहते हैं तो इन्हें अपने घर ले जाइए। कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमें, लोगों को काटें और डराएं?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी के उस बयान के जवाब में आई, जिन्होंने कहा था कि आवारा कुत्तों का मुद्दा भावनात्मक है। बेंच ने उनसे कहा कि भावनाएं अब तक सिर्फ कुत्तों के लिए ही लग रही हैं। इस पर गुरुस्वामी ने जवाब दिया कि ऐसा नहीं है। मैं इंसानों के बारे में भी उतना ही चिंतित हूं। कुत्ते के काटने की शिकार एक महिला ने भी कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मैं इस बात से सहमत हूं कि एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम को सही से लागू करने पर कुत्तों की आक्रामकता और उनकी संख्या को कम करने में मदद मिलेगी, लेकिन मुझे एक कुत्ते ने बिना किसी उकसावे के काट लिया था। महिला ने बेंच को बताया कि वह कुत्ता लंबे समय से क्रूरता का शिकार था। यह डर के कारण होने वाली रक्षात्मक आक्रामकता थी। मैं किसी और के किए हुए कार्यों की सजा भुगत रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए कोर्ट ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं। सीनियर वकील ने कहा कि दिल्ली

जैसे स्थानों में चूहों का प्रकोप है और दिल्ली में बंदरों से भी एक अनूठी समस्या है। कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। जज मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।